राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 199 | जौनपुर | शनिवार, 08 मार्च 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

महिला दिवस पर उत्कृष्ट छात्रोंओ का हुआ सम्मान

सुल्तानपुर। महिला दिवस के शुभ अवसर पर पंडित रामनरेश त्रिपाठी सभागार के परिसर में मुख्य अतिथियों व जिलाधिकारी के कर कमल द्वारा सम्मानित किया गया।

शनिवार को महिला दिवस के अवसर पर महिला कल्याण विभाग सुल्तानपुर द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में हाई स्कूल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अन्वेशा सिंह पुत्री श्रीमती अलका सिंह प्रोफेसर के एन आई टी सुल्तानपुर पिता डॉक्टर ए एन सिंह सहित कई छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर लोकप्रिय एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय व भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष व सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ आर ए वर्मा एव जिलाधिकारी कुमार हर्ष के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

बरसाना में सीएम योगी ने खेली फूलों की होली

एजेंसी, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रज की रज में कन्हैया के दर्शन हर कोई करता है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे बार–बार यहां आने का मौका मिलता है। आगे कहा कि महाकुंभ ने सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले। सनातन की एकता का अकल्प समागम दुनिया ने देखा। इसकी सफलता के लिए सनातनियों का आभार जताया। भारत के तीन तीर्थ में काशी उत्तर प्रदेश में है। राम की जन्मभूमि भी इसी उत्तर प्रदेश में है और कृष्ण कन्हैया की पावन जन्मभूमि भी उत्तर प्रदेश में है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विरासत और विकास की परंपरा शुरू हुई, वह महाकुंभ में देखने को मिली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक दिवसीय दौरे पर मथुरा के बरसाना में श्रंगोत्सव 2025श का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि काशी और अयोध्या के कायाकल्प के बाद अब मथुरा और ब्रज भूमि के विकास का समय आ गया है। बरसाना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने श्री लाडली जी महाराज मंदिर में दर्शन–पूजन किया और फूलों व लड्डूमार होली के जरिए रंगोत्सव की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 5 हजार साल से भारत की सनातन संस्कृति को ऊर्जा देने वाली यह ब्रज भूमि श्रद्धा और आस्था की धरा है। इसके कण–कण में श्री राधा और श्री कृष्ण के दर्शन होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का सौभाग्य है कि यहां काशी, अयोध्या और मथुरा, ये तीनों तीर्थ स्थल सनातन एकता के प्रतीक के रूप में मौजूद हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विरासत और विकास की नई परंपरा स्थापित हुई है, जिसका परिणाम हाल ही में संपन्न प्रयागराज महाकुम्भ के भव्य आयोजन के रूप में देखने को मिला। उन्होंने कहा कि जो जितना सनातन धर्म के खिलाफ बोलता था, अफवाह फैलाता था और तर्कहीन बातें करता था, उन्हें सनातन धर्मावलम्बियों ने महाकुम्भ के जरिए करारा जवाब दिया है। महाकुम्भ सनातन धर्म का दुर्लभतम क्षण बन गया है। सीएम योगी ने होली को एकता का सूत्र बताते हुए कहा कि होली आपसी सद्भाव और दूरियों को मिटाने का त्योहार है। महाकुम्भ ने जहां दुनिया को एकता का संदेश दिया, वहीं होली इसे और मजबूत करती है। उन्होंने बरसाना की विश्व प्रसिद्ध लठ्ठमार होली और लड्डूमार होली का जिक्र करते हुए सनातन धर्म की अद्भुत परंपराओं की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार के बजट में ब्रज भूमि के विकास के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि करोड़ों की योजनाओं के साथ बरसाना को विकास से जोड़ा जा रहा है। पहली बार बरसाना में रोपवे की सुविधा शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ सकुशल सम्पन्न होने के बाद अब फुरसत मिली है। काशी, अयोध्या, प्रयागराज, मां विंध्यवासिनी धाम के विकास के उपरांत अब बारी इसी पुण्य भूमि की है। सीएम ने आश्वस्त किया कि मथुरा, बरसाना, ब्रजभूमि के विकास के लिए कोई सीमा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह होली के अवसर पर श्री राधारानी जी के श्रीचरणों में इसी निवेदन के साथ पहुंचे हैं। उन्होंने दिल्ली में रामभक्तों की सरकार आने का जिक्र करते हुए यमुना के संरक्षण का वादा दोहराया। सीएम ने कहा कि अब यमुना मइया भी गंगा मां की तरह निर्मल और अविरल होंगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने संतों का सम्मान किया और देश–दुनिया से आए लोगों को होली व रंगोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बरसाना ब्रह्मा, नंदगांव शिव और गोवर्धन विष्णु जी का प्रतीक है।

महिलाओं संग प्रधानमंत्री ने किया रासो तांदी नृत्य, सुरक्षा कारणों से था मना, पर नहीं रुके

एजेंसी, उत्तरकाशी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मां गंगा के शीतकालीन प्रवास स्थल मुखबा और खूबसूरत हर्षिल से पूरे देश में शीतकालीन यात्रा का संदेश पहुंचा। उन्होंने जिस अंदाज में उत्तराखंड की यात्रा का प्रमोशन किया है, वह अभूतपूर्व है। इसके बाद उत्तराखंड के शीतकालीन पर्यटन के सरपट दौड़ने की पूरी उम्मीद की जा रही है। इससे चारधाम यात्रा की मजबूती का आधार पर तैयार होगा। प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान कुछ क्षण ऐसे रहे रहे जिन्होंने हर किसी का दिल छू लिया है। ये क्षण यहां के लोगों के लिए खासतौर पर यादगार बन गए। मुखबा गांव में सुरक्षा के दृष्टिकोण से महिलाओं को रासो तांदी नृत्य करने के लिए मना किया गया था। इस पर जब महिलाओं ने पीएम मोदी से गुहार लगाई तो उन्होंने मुखबा की महिलाओं के साथ नृत्य कर सबका मन मोह लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने मुखबा गांव में मां गंगा की पूजा के बाद वहां के व्यू प्वाइंट पर पहुंचे। इस मौके पर मुखबा गांव की महिलाओं को पीएम के सामने रासो तांदी नृत्य के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें मना कर दिया। उसके बाद ग्रामीण महिलाओं ने जब पीएम मोदी से निवेदन किया तो मोदी स्वयं महिलाओं के बीच गए और डांडू क्या फूला फूलाला आदि गीत पर नृत्य किया। पूर्व बीडीसी सदस्य सुधा मार्तोलिया ने बताया कि पीएम ने कहा कि वह महिलाएं उनके लिए साक्षात मां गंगा का स्वरूप हैं। वहीं पीएम ने उनके लिए बने चीणा के भात और फाफरे के पोले की रेसेपी पूछी।

संक्षिप्त समाचार

शिवसेना विधायक ने राकांपा सांसद तटकरे को औरंगजेब कहा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शिवसेना विधायक महेंद्र थोरवे ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के सांसद सुनील तटकरे को मुगल बादशाह औरंगजेब करार देते हुए रायगढ़ के प्रभारी मंत्री के पद को लेकर महाराष्ट्र के सत्तारूढ़ गठबंधन में दोनों दलों के बीच बढ़ती दरार की ओर इशारा किया। रायगढ़ के विधायक थोरवे ने बुधवार को अलीबाग में एक कार्यक्रम में कहा कि तीसरे अंपायर (मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की ओर इशारा) ने रायगढ़ के प्रभारी मंत्री पद के फैसले पर रोक लगा दी क्योंकि यह गलत था। राकांपा और शिवसेना दोनों रायगढ़ के प्रभारी मंत्री पद के लिए दौड़ में हैं। फडणवीस ने महिला और बाल विकास मंत्री तथा राकांपा नेता अदिति तटकरे को जिले का प्रभारी मंत्री नियुक्त किया था। हालांकि, रायगढ़ के महाड का प्रतिनिधित्व करने वाले रोजगार गारंटी मंत्री भरत गोगावाले भी जिले के प्रभारी मंत्री बनने की आकांक्षा रखते थे। शिवसेना की नाराजगी के बाद फडणवीस ने फैसले पर रोक लगा दी।

शीघ्र ही ईपीएफओ 3.0 संस्करण शुरू किया जाएगा – मांडविया

मांडविया, (एजेंसी)। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) जल्द ही ''ईपीएफओ 3.0 संस्करण'' शुरू करेगा, जिससे ग्राहकों को एटीएम से पैसे निकालने की सुविधा मिलेगी और साथ ही उन्हें कई अन्य नई सुविधाएं भी मिलेंगी। मांडविया ने आज शाम यहां ईपीएफओ के तेलंगाना आंचलिक कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालय परिसर का उद्घाटन करने के बाद कहा कि 'ईपीएफओ 3.0 संस्करण' बैंकिंग प्रणाली के समतुल्य होगा। उन्होंने कहा, ''आने वाले दिनों में ईपीएफओ का 3.0 संस्करण आने वाला है। इसका मतलब है कि ईपीएफओ किसी बैंक के समान हो जाएगा। जैसे बैंक में लेन–देन होता है, वैसे ही आपके पास (ईपीएफओ खाताधारक के पास) 'यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन)' होगा और आप अपने सारे काम कर सकेंगे।'' उन्होंने कहा, ''आपको न तो ईपीएफओ कार्यालय का चक्कर काटना पड़ेगा।

एमके स्टालिन के एलकेजी स्टूडेंट वाले बयान पर अमित शाह का पलटवार

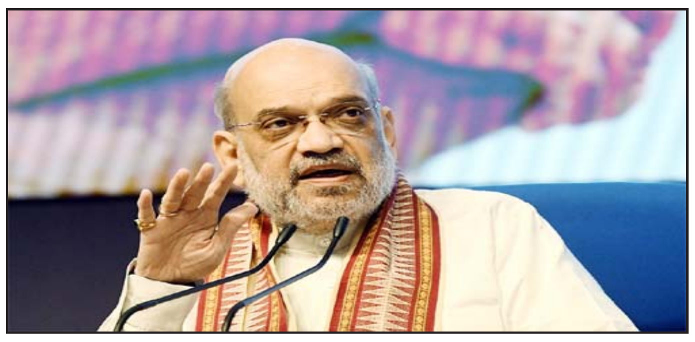

तमिलनाडु, (एजेंसी)। तमिलनाडु में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत कथित तौर पर तीसरी भाषा थोपने को लेकर चल रही बहस भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के बीच तीखी राजनीतिक लड़ाई में बदल गई है। शुक्रवार को, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एमके स्टालिन से राज्य में तमिल में इंजीनियरिंग और चिकित्सा शिक्षा शुरू करने के लिए कहा। स्टालिन के हिंदी विरोध को लेकर मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बदलाव किए और अब यह सुनिश्चित किया है कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के उम्मीदवार अपनी–अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में परीक्षा दे सकें। भाजपा के राज्य प्रमुख के अन्नामलाई ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पर "भ्रामक हिंदी थोपने के खिलाफ अपने कागजी शब्द को लहराने" के लिए आलोचना की। अमित शाह और अन्नामलाई के बयान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन द्वारा यह कहे जाने के बाद आए हैं कि एनईपी "एलकेजी के छात्र द्वारा पीएचडी धारक को व्याख्यान देने जैसा है।

बजट में अल्पसंख्यकों पर मेहरबान सिद्धारमैया

कर्नाटक, (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को अपना 16वां बजट पेश किया, जबकि विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अल्पसंख्यकों के लिए इस प्रोत्साहन को तुष्टीकरण बताया। बजट में कुल व्यय 4,09,549 करोड़ रुपये रखा गया है, जिसमें राजस्व व्यय के लिए 3,11,739 करोड़ रुपये, पूंजीगत व्यय के लिए 71,336 करोड़ रुपये और ऋण चुकौती के लिए 26,474 करोड़ रुपये शामिल हैं। राजकोषीय घाटा घ90,428 करोड़ (जीएसडीपी का 2.95:) अनुमानित है, जबकि राजस्व घाटा घ19,262 करोड़ (जीएसडीपी का 0.63:) आंका गया है। बजट में कहा गया है कि हज यात्रियों और उनके रिश्तेदारों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए बेंगलुरू स्थित हज भवन में एक अतिरिक्त भवन का निर्माण किया जाएगा। वर्ष 2024–25 में अल्पसंख्यक महिलाओं की उच्च शिक्षा को सहायता प्रदान करने के लिए वक्फ संस्थाओं के खाली भूखंडों पर 15 महिला महाविद्यालयों के निर्माण की कार्यवाही की गई है। इसके अलावा, वर्ष 2025–26 के दौरान 16 नए महिला महाविद्यालय शुरू किए जाएंगे। राज्य के गुरुद्वारों में आवश्यक बुनियादी ढांचा सृजित करने के लिए 2 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई है। बेंगलुरु में बौद्ध अध्ययन अकादमी की स्थापना की जाएगी। बेंगलुरु के महाबोधि अध्ययन केंद्र में 100 साल पुरानी लाइब्रेरी को 1 करोड़ रुपये की लागत से डिजिटल और अपग्रेड किया जाएगा। जैन, बौद्ध और सिख समुदायों के समग्र विकास के लिए 100 करोड़ रुपये का अनुदान निर्धारित किया गया है। ईसाई समुदाय के विकास के लिए 250 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। जैन पुजारियों, सिखों के मुख्य ग्रंथी और मस्जिदों के पेश इमामों को दिया जाने वाला मानदेय बढ़ाकर 6,000 रुपये प्रति माह किया जाएगा। सहायक ग्रंथी और मुअज्जिन को दिया जाने वाला मानदेय बढ़ाकर 5,000 रुपये प्रति माह किया जाएगा। मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक कॉलोनी विकास कार्यक्रम की घोषणा 1,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ की गई। मुस्लिम कब्रिस्तानों और वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा के लिए 150 करोड़ रुपये (पिछले साल 100 करोड़ रुपये दिए गए थे)।

हरियाणा और महाराष्ट्र के बाद आरएसएस का मिशन बिहार पांच दिनों के दौरे पर मोहन भागवत

बिहार, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक मार्गदर्शक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने दिल्ली, हरियाणा और महाराष्ट्र चुनावों में भगवा पार्टी की जीत में अहम भूमिका निभाई। दिल्ली में, आरएसएस ने शहर भर में 50,000 से ज्यादा बैठकें कीं, जिससे मतदाताओं को भाजपा के पीछे एकजुट किया जा सके। दिल्ली चुनाव के नतीजों के तुरंत बाद, आरएसएस ने अपना ध्यान बिहार और पश्चिम बंगाल पर केंद्रित कर दिया। अब, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पांच दिवसीय दौरे पर राज्य में पहुंचे हैं, जिसके दौरान वे कार्यकर्ताओं से बातचीत करेंगे और अन्य कार्यक्रमों में भाग लेंगे। आरएसएस प्रमुख 9 मार्च तक मुजफ्फरपुर में रहेंगे। उनके स्वयंसेवकों और संघ से जुड़े अन्य संगठनों से जुड़े लोगों से मिलने की संभावना है। उनका दौरा राज्य में विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले हो रहा है, जहां आरएसएस

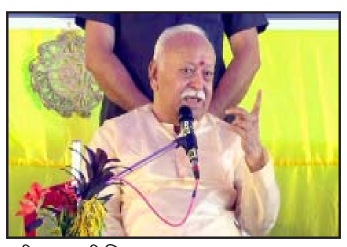

की राजनीतिक शाखा भाजपा अपना आधार बढ़ाने की कोशिश कर रही है। आरएसएस कार्यकर्ताओं के साथ भागवत की बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ये संघ के कार्यकर्ता हैं जो संघ की राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रचार–प्रसार में जमीनी स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इस तरह इसे भाजपा के मतदाता आधार में बदल देते हैं। बिहार में, आरएसएस कथित तौर पर श्त्रिशूलश फॉर्मूले पर काम कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, संगठन तीन महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है – गोपनीय सर्वेक्षणों के माध्यम से असंतुष्ट मतदाताओं और प्रमुख मुद्दों की पहचान करनाय चुनाव की कहानी को आकार देने के लिए सबसे प्रभावशाली मुद्दों का आकलन करना और इन मुद्दों के आधार पर भाजपा के लिए चुनावी लाभ और जोखिम का विश्लेषण करना। यह सर्वेक्षण सख्त गोपनीयता में किया जा रहा है, जिसमें आरएसएस की शाखाओं (स्थानीय शाखाओं) के व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाया जा रहा है। चुनावों की तैयारी में, बिहार भर में शाखाओं की संख्या बढ़ाने की तैयारी है, जिससे जमीनी स्तर पर गहरी भागीदारी सुनिश्चित होगी। एक बड़ी आगामी बैठक में, आरएसएस कमजोर मतदान केंद्रों को मजबूत करने के लिए एक व्यापक बूथ–स्तरीय सर्वेक्षण करने वाला है। जब बिहार भाजपा के एक नेता से विपक्षी नेताओं द्वारा लगाए गए आरोपों के अनुसार चुनावों पर आरएसएस के प्रभाव के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि संघ एक सांस्कृतिक इकाई है जो भारत में राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने के लिए काम करती है।

सुशासन के लिए राजकोषीय अनुशासन की आवश्यकता होती है - धनखड़

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि सुशासन के लिए राजकोषीय अनुशासन की आवश्यकता होती है, न कि लोकलुभावनवाद की। 'नेतृत्व और शासन' विषय पर पहले 'मुरली देवड़ा स्मारक संवाद' में उद्घाटन भाषण देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि 'लोकलुभावनवाद खराब अर्थशास्त्र है'। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ''एक बार जब कोई नेता लोकलुभावनवाद से जुड़ जाता है, तो संकट से बाहर निकलना मुश्किल होता है।'' उन्होंने राजनीतिक परिदृश्य में तुष्टीकरण की राजनीति और लोगों की आवाज को दबाने वाली रणनीतियों के उभरने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, ''मुख्य उद्देश्य लोगों की भलाई, लोगों का सबसे बड़ा हित, लोगों का स्थायी हित होना चाहिए। लोगों कोको खुद को सशक्त बनाने के लायक सक्षम बनाया जाए, न कि उन्हें क्षणिक रूप से सशक्त बनाएं क्योंकि इससे उनकी उत्पादकता प्रभावित होती है।'' उन्होंने कहा, ''अगर चुनावी वादों पर अत्यधिक खर्च किया जाता है तो राज्य की बुनियादी ढांचे में निवेश करने की क्षमता भी कम हो जाती है। यह विकास परिदृश्य के लिए सही नहीं है। लोकतंत्र में चुनाव महत्वपूर्ण है, लेकिन इसका अंत नहीं।'' धनखड़ ने सभी राजनीतिक दलों के नेतृत्व से इस प्रवृत्ति को लेकर आत्ममंथन करने का आह्वान किया, क्योंकि इस तरह के चुनावी वादे राज्य के पूंजीगत व्यय की कीमत पर पूरे किए जाएंगे।

सीएम अब्दुल्ला ने 370 हटने के बाद पेश किया पहला बजट

जम्मू, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को जम्मू और कश्मीर का छह साल बाद पहला बजट प्रस्तुत किया और इसे आर्थिक विकास के लिए एक रोडमैप और जनता की आकांक्षाओं का सच्चा प्रतिबिंब बताया। विधानसभा में बजट प्रस्तुत करते हुए सीएम उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का विभिन्न क्षेत्रों में समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। सीएम अब्दुल्ला ने कहा मुझे जम्मू और कश्मीर का वित्त मंत्री होते हुए पहला बजट प्रस्तुत करने में खुशी हो रही है। यह आर्थिक विकास के लिए एक रोडमैप है और जनता की आकांक्षाओं का सच्चा प्रतिबिंब है। जिन्होंने अपना बजट भाषण एक फारसी कविता से शुरू किया। यह बजट पिछले साल अक्तूबर में नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार के सत्ता में आने के बाद पहला है, जब छह साल के बाद केंद्रीय शासन का समापन हुआ। जम्मू और कश्मीर से 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को समाप्त किया गया था, और 2018 में पीडीपी–बीजेपी सरकार के तहत आखिरी बजट सत्र हुआ था। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने सदन में कहा हमारी चुनौतियां विशाल हैं और हमारी सीमाएं कई हैं, लेकिन हमें एकजुट होकर इन चुनौतियों का डटकर सामना करने का संकल्प लेना चाहिए। इस पहले बजट को हमारी जनता के सपनों, हमारे भविष्य पीढ़ियों की जरूरतों और जम्मू और कश्मीर के हर नागरिक की आकांक्षाओं का सच्चा प्रतिबिंब बनाने की कोशिश की है। जम्मू और कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना लोगों की गहरी आकांक्षा है।

अब्बास अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से राहत, गैंगस्टर कानून के तहत दर्ज मामले में मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के विधायक अब्बास अंसारी को राज्य के गैंगस्टर कानून के तहत दर्ज एक मामले में अंतरिम जमानत दी। सुप्रीम कोर्ट ने विधायक अब्बास अंसारी से लखनऊ स्थित उनके सरकारी आवास से बाहर न निकलने और मऊ निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करने से पहले अदालत की अनुमति लेने को कहा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मुख्तार अंसारी के बेटे अंसारी को लखनऊ में अपने सरकारी आवास में रहने और मऊ में अपने निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करने से पहले अधिकारियों से पूर्व अनुमति लेने का निर्देश दिया है। पीठ ने अंसारी से कहा कि वह अदालत की पूर्व अनुमति के बिना उत्तर प्रदेश न छोड़ें और अदालतों में पेश होने से एक दिन पहले पुलिस अधिकारियों को सूचित करें। शीर्ष अदालत ने अंसारी द्वारा जमानत शर्तों के अनुपालन पर पुलिस से छह सप्ताह में स्थिति रिपोर्ट मांगी है। पीठ ने कहा कि उन्हें गैंगस्टर अधिनियम मामले को छोड़कर सभी आपराधिक मामलों में जमानत दी गई थी। पिछले साल 18 दिसंबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उस मामले में अंसारी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन पर और कुछ अन्य लोगों पर वित्तीय एवं अन्य लाभ के लिए गिरोह बनाने का आरोप लगाया गया था। चित्रकूट जिले के कोतवाली कर्वी थाने में 31 अगस्त, 2024 को अंसारी, नवनीत सचान, नियाज अंसारी, फराज खान और शाहबाज आलम खान के खिलाफ उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स एवं असामाजिक क्रियाकलाप (रोकथाम) अधिनियम, 1986 की धारा दो, तीन के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उन पर जबरन वसूली और मारपीट का आरोप लगाया गया था। अंसारी मऊ निर्वाचन क्षेत्र से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक हैं। जमानत याचिका खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने कहा था कि मामले में जांच जारी है। इस मामले में उन्हें छह सितंबर, 2024 को गिरफ्तार किया गया था।

संपादकीय

जेबों की सर्जरी

यह खबर परेशान करती है कि देश के करोड़ों मरीज पहुंच से बाहर के महंगे इलाज के कारण गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। वे कथित रुप से दूसरे भगवान कहे जाने वाले शख्स के आगे बेबस नजर आते हैं। खासकर बड़े आप्रेशनों व उपकरणों से लेकर महंगी दवाओं को लेकर। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने मरीजों की दुखती रग को समझते हुए केंद्र व राज्य सरकारों से निजी अस्पतालों में मरीजों का शोषण रोकने के लिये नीतिगत फैसला लेने को कहा है। एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि देशवासियों को चिकित्सा का बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना राज्यों का कर्तव्य है। निर्विवाद रूप से राज्य सरकारें ऐसा करने में विफल रही हैं। इसके बावजूद कि उन्होंने बड़े अस्पतालों को जमीन आदि तमाम सुविधाएं रियायती दरों पर दी हैं। ऐसे में वे गरीब मरीजों को राहतकारी इलाज देने के लिये बड़े अस्पतालों को बाध्य कर सकती थीं। वैसे चुनावों के दौरान तमाम तरह के सब्जबाग दिखाने वाले राजनीतिक दलों के एजेंडे में चिकित्सा सुविधा सुधार कभी प्राथमिकता नहीं रही। यदि सार्वजनिक चिकित्सा का बेहतर ढांचा उपलब्ध होता तो लोग निजी अस्पतालों में जाने को मजबूर न होते। यदि निगरानी तंत्र मजबूत होता और प्रभावी कानून होते तो मरीजों को दोहन का शिकार न होना पड़ता। यदि मरीजों से निजी अस्पतालों में मनमानी रकम वसूली जाती है तो यह राज्य सरकारों की छवि पर आंच है कि वे मरीजों को किफायती उपचार उपलब्ध कराने में विफल रही हैं। यही वजह है कि शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि मरीजों को उचित मूल्य वाली दवाइयां न मिल पाना राज्य सरकारों की नाकामी को ही दर्शाता है। इतना ही नहीं राज्य सरकारें निजी अस्पतालों को न केवल सुविधाएं प्रदान करती हैं बल्कि उन्हें प्रोत्साहन भी देती हैं। सरकारों का यह दावा अतार्किक है कि मरीजों के तिमारदारों के लिये निजी अस्पताल के मेडिकल स्टोरों से दवा खरीदने की बाध्यता नहीं है। दरअसल, अस्पताल की फार्मेसी या खास मेडिकल स्टोरों से दवाइयां खरीदना तिमारदारों की मजबूरी बन जाती है। उन्हें खास ब्रांड की दवा व उपकरण खरीदने के निर्देश होते हैं। दरअसल, खुले बाजार में उनकी उपलब्धता और गुणवत्ता को लेकर आशंका होती है। असल में, यह नीति–नियंताओं की जवाबदेही है कि वे मरीजों और उनके परिवारों को शोषण से बचाने के लिये दिशा–निर्देश तैयार करें। हालांकि, यह इतना भी आसान नहीं है क्योंकि विभिन्न हितधारकों के दबाव अकसर सामने आते हैं। जैसा कि वर्ष 2023 में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को उस समय कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था जब उसने डॉक्टरों से कहा था कि वे ब्रांडेड दवाएं न लिखें। उसके स्थान पर जेनेरिक दवाएं लिखें, ऐसा न करने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा बिरादरी ने तब दबाव बनाते हुए कहा था कि दवाओं की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। जिसके बाद यह आदेश जल्दी ही वापस लेना पड़ा था। इसके अलावा ब्रांडेड दवाओं के निर्माताओं ने भी दबाव बनाया था, जो कि जन–कल्याण के बजाय बड़े पैमाने पर मुनाफे को प्राथमिकता देते रहते हैं। वैसे निजी अस्पतालों द्वारा दवाओं के जरिये पैसा कमाने की वजह यह भी है ।

किम जोंग पर ट्रंप की चुप्पी के मायने

पुष्परंजन

क्या अमेरिका को उत्तर कोरिया के साथ बातचीत फिर से शुरू करनी चाहिए? ठीक एक माह पहले 7 फरवरी को जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने डोनाल्ड ट्रम्प को सुझाव दिया था, कि वो उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन से दोबारा बात करें। लेकिन, जेलेन्स्की से जो अनुभव ट्रम्प ने प्राप्त किया है, उस कड़वे अनुभव के आधार पर ट्रम्प कम से कम किम से तुरंत नहीं उलझेंगे। जेलेन्स्की, चाहे आने वाले दिनों में नरम पड़ जाएं, या खनिज समझौता कर लें, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति की जिस तरह आमने–सामने हेकड़ी उतारी है, उससे उनका प्रभामंडल निस्तेज हुआ है। अटलांटिक से लेकर, एशिया–प्रशांत और मिडल ईस्ट तक कुछ शासन प्रमुखों का हौसला बुलंद हुआ है, कि व्हाइट हाउस से दबो नहीं। तुर्की–ब–तुर्की जवाब दो। 7 फरवरी, 2025 को जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों पर जोर देते हुए कहा, कि 'वह हम सबों के लिए बहुत बड़े धरोहर हैं। मैं उनसे मिलता रहता हूं।' इशिबा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि उनके पहले कार्यकाल के दौरान किम के साथ उनकी बातचीत ने कोरियाई प्रायद्वीप पर युद्ध को रोक दिया था। चाहे यह सच हो, या नहीं, ट्रम्प ने निश्चित रूप से अपने पूर्ववर्ती की तुलना में उत्तर कोरिया के साथ बेहतर व्यवहार किया। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने सुंदर भाषण दिए, लेकिन पूर्वी एशिया के कई देशों, जिनमें अमेरिकी सहयोगी और साझेदार भी शामिल हैं, के सामने वे कमजोर नजर आए। आठ साल तक उन्होंने उत्तर कोरिया के बारे में कुछ नहीं किया, बल्कि बराक ने इसे 'रणनीतिक धैर्य' की

नीति कहा था। इसका फायदा उठाकर फ्योंगयांग ने अपने मिसाइल और परमाणु हथियार कार्यक्रमों को रफ्तार दे दी। ट्रम्प, किम जोंग उन से सीधा उलझने से बचते रहे। ट्रम्प ने किम से तीन बार मुलाकात की रू 2018 में सिंगापुर में, 2019 में हनोई में, और 2019 में ही उत्तर और दक्षिण कोरिया को अलग करने वाले विसैन्यीकृत क्षेत्र में। फोटोऑप तक सीमित ये बैठकें, इसलिए विफल रहीं क्योंकि वे खराब तरीके से तैयार की गई थीं। इसमें 'परमाणु निरस्त्रीकरण' का कोई ठोस लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया था। उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियार, या मिसाइल कार्यक्रमों को वैसे भी नहीं छोड़ने वाला है। उत्तर कोरिया के हवाले से कुछ विशेषज्ञों का आकलन है कि ट्रंप अपने कूटनीतिक टूलबॉक्स से धूल झाड़ सकते हैं, और किम जोंग उन के साथ एक और शिखर सम्मेलन की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन किम, परमाणु राज्य का दर्जा पाने की महत्वाकांक्षा त्याग नहीं सकते। पिछले महीने 'नई ह्वासोंग–19 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल' के परीक्षण के बाद, उत्तर कोरिया ने पुष्टि की, कि देश की परमाणु शक्ति को मजबूत करने की नीति कभी नहीं बदलेगी। 2023 में, उत्तर कोरिया ने परमाणु शक्ति को मजबूत करने की अपनी नीति को सुदृढ़ करने के लिए अपने संविधान में संशोधन किया। उसने स्पष्ट कर दिया कि परमाणु संपन्न देश बनने की उसकी स्थिति 'अपरिवर्तनीय' बनी हुई है। पिछले महीने, नौ वर्षों में पहली बार, दक्षिण कोरिया और अमेरिका के रक्षा प्रमुखों के बीच की सुरक्षा परामर्श बैठक के बाद जारी किए गए एक संयुक्त बयान में उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण को साझा लक्ष्य के रूप में छोड़ दिया गया। यह एक संभावित संकेत है, कि उत्तर कोरिया का परमाणु निरस्त्रीकरण अब वास्तविक रूप से प्राप्त करने योग्य नहीं है। यदि किम, ट्रंप के साथ बैठते हैं, तो वे उत्तर कोरिया को परमाणु संपन्न देश के रूप में अमेरिका द्वारा मान्यता दिए जाने पर बातचीत करने का प्रयास करेंगे, तथा 'परमाणु निरस्त्रीकरण' के बजाय 'परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए बाद में प्रदत रियायतें मांगेंगे, जो उनके पिछले शिखर सम्मेलनों के दौरान चर्चा में था। कोरिया विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकीकरण के लिए कन्वर्जेंस संस्थान के निदेशक नाम सुंग–वुक का कहना है, 'बदले में ट्रम्प इसकी गारंटी ले सकते हैं, कि अमेरिका की मुख्य भूमि तक पहुंचने में सक्षम उत्तर कोरियाई मिसाइलों का मुंह किम घुमा दें।' सवाल यह है, ट्रम्प किम से इतना डरते क्यों हैं? क्या उसका मुंहफट होना ट्रम्प को डराता है, या कि सैन्य दुस्साहस? उत्तर कोरिया, 2022 से रूस–यूक्रेनी युद्ध में शामिल है, जब उसने स्वघोषित डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक और लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक को मान्यता देकर रूस का समर्थन किया था। उत्तर कोरिया ने रूस में अपने सैन्य कर्मियों को भेजा, जिन्होंने रूसी वर्दी में, और रूसी कमान के तहत रूस के लिए यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उत्तर कोरिया का हथियार उद्योग लहलहा रहा है। नवंबर, 2024 के मध्य तक, यूक्रेन के साथ संघर्ष में रूसी सशस्त्र बलों को मजबूत करने के लिए 50 उत्तर कोरिया निर्मित एम–1989 कोकसन स्व–चालित हॉवित्जर, और लगभग 20 एम–1991 शॉर्ट–रेंज मिसाइल सिस्टम रूस को दिए गए थे। ट्रम्प अपने दूसरे कालखंड में तानाशाहों से उलझते–उलझते खुद भी डिक्टेटर की भूमिका में आते दिखने लगे हैं। उन्होंने जब यह कहा, कि 'डिक्टेटर' पुतिन नहीं, जेलेन्स्की है, तब क्रेमलिन को अच्छा लगा था। ओवल ऑफिस में जो कुछ ट्रम्प–जेलेन्स्की के बीच हुआ, पुतिन उस दिन से सॉफ्ट हैं। लेकिन, क्या मालूम इस 'नूरा कुश्ती' की पटकथा पहले से लिखी गई हो? यह सब देखते हुए, किम जोंग उन में भी रणनीतिक बदलाव की जरूरत आन पड़ी है। चीन, ट्रम्प के टैरिफ युद्ध से निपटने के वास्ते किसी भी स्तर पर जाने के लिए ताल ठोक रहा है, ऐसे में किम जोंग उन जैसा तानाशाह, शी चीन फिंग को चाहिए ही। पुतिन को अत्यधिक महत्व देने को लेकर शी और किम जोंग उन के बीच दूरियां लोगों ने महसूस की थी। अपरोक्ष रूप से अमेरिकन्स ने भी शी को इस मुद्दे पर समझाने की कोशिश की थी। वर्ष 2018 से किम जोंग उन की विदेश यात्राओं पर गौर कीजिये, वह रूस, केवल एक बार गए हैं, और चीन चार बार। इससे अंदाजा लगा था, कि रिमोट कंट्रोल प्रेसिडेंट शी के पास है। लेकिन, 2023 –24 के दौरान पुतिन–किम शिखर बैठकों ने द्विपक्षीय सहयोग को नए स्तरों पर पहुंचा दिया। इन निराशाओं के बावजूद, चीन, उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना हुआ है, जो कोयला और वस्त्र सहित उसके 90 प्रतिशत निर्यात को खरीदता है। शी की मैच्योर कूटनीति है कि उन्होंने रूस और उत्तर कोरिया के साथ अपने संबंधों को तल्ख नहीं होने दिया।

वन उपज से दीर्घकालीन रोजगार का लक्ष्य

भारत डोगरा

समावेशी विकास के लिए आदिवासी समुदायों की प्रगति को टिकाऊ आधार देना बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। इसके लिए लघु वन उपज आधारित आजीविकाओं का विशेष महत्व है क्योंकि वन बहुत नजदीकी तौर पर आदिवासी जन–जीवन से जुड़े हैं। यदि विविध तरह की लघु वन उपज का उपयोग वन–रक्षा के लिए जरूरी सावधानियों के अनुकूल हो, तो इससे टिकाऊ तौर पर आजीविका आधार बढ़ाने और बेहतर करने के अनेक अवसर उपलब्ध हो सकते हैं। इन संभावनाओं को अधिकांश स्थानों पर अभी प्राप्त नहीं किया जा सका है क्योंकि चाहे लघु वन उपज एकत्र करने में आदिवासी कितनी भी मेहनत करें, पर उन्हें इस एकत्रित लघु वन उपज की उचित कीमत नहीं मिल पाती है। जब काफी मेहनत से एकत्रित उपज को व्यापारियों को बहुत सस्ती कीमत पर बेचना पड़ता है, तो प्रायः आदिवासी ठगे से महसूस करते हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए जहां उचित कीमत उपलब्ध करवाना जरूरी है। यह भी आवश्यक है कि इन उत्पादों के स्थानीय प्रसंस्करण द्वारा उनकी मूल्य वृद्धि की जाए और इस तरह बेहतर कीमत प्राप्त करने के साथ–साथ स्थानीय रोजगार सृजन में भी वृद्धि की जाए। कुछ ऐसा ही प्रयास हो रहा है आदिवासी महिलाओं की प्रोड्यूसर कंपनी घूमर द्वारा, जो राजस्थान के पाली और उदयपुर जिलों में सक्रिय हैं। ग्रामीण महिलाओं की सदस्यता के आधार पर चल रही इस प्रोड्यूसर कंपनी ने सैकड़ों महिलाओं और उनके परिवारों की लघु वन उपज से प्राप्त आय में मात्र पांच–छह वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि की है। धर्मी बाई की ही बात करें तो जहां पहले वह एक वर्ष में लघु वन उपज से 6 हजार रुपये के आसपास ही प्राप्त कर सकती थीं, वहां अब उनके परिवार ने एक वर्ष में 79,450 रुपये की आय लघु वन उपज से प्राप्त की। इन गांवों में ऐसी सैकड़ों महिलाएं मिल जाएंगी, जो 50,000 रुपये के आसपास एक वर्ष या सीजन में लघु वन–उपज से प्राप्त कर रही हैं। घूमर महिला प्रोड्यूसर कंपनी में लगभग 2000 महिला शेयर होल्डर हैं, जिनमें से अधिकांश गरासिया आदिवासी महिलाएं हैं। इस कंपनी के लगभग सभी उत्पाद इन महिलाओं और उनके परिवारों की आजीविका को सशक्त करने के साथ स्वास्थ्य को बेहतर करने वाले उत्पादों से जुड़े हैं। सीताफल या कस्टर्ड एप्पल के गूदे को निकाल कर विभिन्न खाद्य औद्योगिक इकाइयों को बेचा जाता है, जबकि इसके बीज और छिलके का भी उचित उपयोग होता है। जामुन के स्लाइस और पेय तैयार होते हैं। पलाश के फूल का गुलाल बनता है और अन्य वनस्पतियों आधारित सूखे रंग भी बनते हैं। पलाश की पत्तियों के दोने–पत्तल बनते हैं। बेर छांट कर बेचे जाते हैं और इसके चूर्ण और पेस्ट से अन्य उत्पाद भी बनते हैं, जैसे लड्डू और लालीपॉप जैसा खाद्य। घूमर महिला प्रोड्यूसर कंपनी ने इन विभिन्न उत्पादों के लिए आधुनिक उत्पादन विधियां विकसित की हैं और इसके लिए जरूरी मशीनें और उपकरण खरीदे हैं, पर साथ ही ऐसी तकनीक अपनाई है जो अधिकांश यंत्र आधारित न हो और जिसमें आदिवासी ग्रामीण महिलाओं को पर्याप्त रोजगार मिलता रहे। इन विभिन्न उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के प्रयास तेज हो रहे हैं, पर इन ग्रामीण महिलाओं के लिए केवल आय बढ़ाना ही सब कुछ नहीं है, वे इस ओर भी ध्यान देती हैं कि वनों की रक्षा करते हुए ही उपज प्राप्त की जाए ताकि वन आधारित आजीविका टिकाऊ आधार पर सुरक्षित रहे। दूसरी ओर कुछ बाहरी एजेंट इस तरह वनों का दोहन करने का प्रयास करते हैं, जिससे कच्चे फल भी तोड़े जाते हैं और पेड़ों से सीताफल जैसे फल कम प्राप्त होते हैं। फल प्राप्त करने का सीजन छोटा हो जाता है, फल एकत्रित करने वालों की आय कम होती है और कच्चे ही तोड़ लिए गए।

..........स्वास्थ्य..........

कूल दिखने के चक्कर में कहीं कर ना लेना किडनी-लिवर खराब

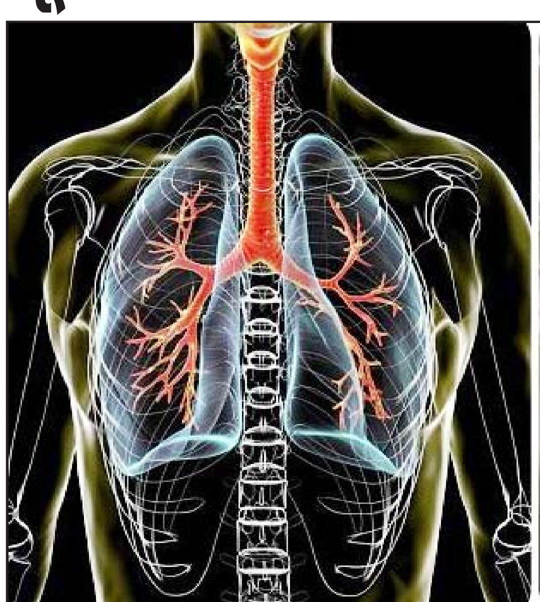

आजकल कई लोग पारंपरिक सिगरेट छोड़कर वेपिंग और ई–सिगरेट का उपयोग करने लगे हैं, यह सोचकर कि यह एक सुरक्षित विकल्प है। लेकिन वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चला है कि लंबे समय तक वेपिंग करने वालों को भी वही गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, जो सामान्य सिगरेट पीने वालों को होती हैं। स्कूल, कॉलेज और ऑफिस में बच्चे खुद को कूल दिखने के लिए भी इसका इस्तेमाल करते हैं। समझिए ये शरीर के लिए कितना है खतरनाक।

क्या होती है वैपिंग

वास्तव में यह भी एक प्रकार की ई सिगरेट ही होती है यह उतनी ही हानिकारक है जितनी बीड़ी, सिगरेट या कोई और तंबाकू उत्पाद। वैपिंग सिगरेट की तरह ही अंदर खींचा जाता है, मगर इसमें धुएं के बजाय कुछ लिक्विड कण होते हैं। निकोटीन और टेस्ट (ई–तरल) की धुंध को सांस के जरिए अंदर लेने के लिए एक छोटे हैंडहेल्ड डिवाइस (जैसे ई–सिगरेट, वेप पेन या मोड) का यूज किया जाता है। बैटरी की मदद से चार्ज होने वाले इस डिवाइस में लिक्वि होता है, जो इस्तेमाल के दौरान गर्म होकर हवा में उड़ता है। इसे बार बार चार्ज करने की आवश्यकता नहीं होती है। इसमें 8 से 10 सिगरेट के समान कश मौजूद होते हैं।

वेपिंग से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य जोखिम

डिमेंशिया (स्मृति लोप) का खतरा– ई–सिगरेट में मौजूद निकोटीन दिमाग की रक्त धमनियों को संकुचित करता है, जिससे दिमाग तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती। यह याद्दाश्त कमजोर करने, सोचने–समझने की क्षमता घटाने और डिमेंशिया (भूलने की बीमारी) का कारण बन सकता है।

हृदय रोग का खतरा– वेपिंग करने से धमनियों की दीवारें कमजोर हो जाती हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। निकोटीन और अन्य हानिकारक रसायन हृदय की रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे 'कोलेस्ट्रॉल जमा हो सकता है और ब्लॉकेज बन सकता है। अंग विफलता (व्तहंद थ्ंपसनतम) का खतरा रू लंबे समय तक वेपिंग करने से फेफड़ों, किडनी और लिवर जैसे महत्वपूर्ण अंगों को नुकसान पहुंचता है। इसके इस्तेमाल से फेफड़ों की क्षमता कम हो जाती है, जिससे सांस लेने में समस्या और गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। लिवर और किडनी पर विषाक्त पदार्थों का प्रभाव बढ़ जाता है, जिससे अंग धीरे–धीरे काम करना बंद कर सकते हैं। रक्त संचार की समस्या रू ई–सिगरेट में मौजूद रसायन रक्त वाहिकाओं को संकीर्ण कर देते हैं, जिससे रक्त प्रवाह बाधित हो जाता है। खराब रक्त प्रवाह से हृदय, दिमाग और अन्य अंगों तक ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है, जिससे कई बीमारियां हो सकती हैं।

नई पीढ़ी में बढ़ रहा इसका क्रेज

ई–सिगरेट के रूप में भी जाना जाता है, वैप्स एक तरल को गर्म करते हैं – आमतौर पर निकोटीन युक्त – इसे एक वाष्प में बदल देते हैं जिसे उपयोगकर्ता सांस लेते हैं। धूम्रपान करने वालों को छोड़ने में मदद करने के लिए उन्हें व्यापक रूप से एक उत्पाद के रूप में देखा जाता है। हाई स्कूलों में वैपिंग अब नंबर व्यवहारिक मुद्दा बन गया है। अगर आप वेपिंग कर रहे हैं, तो इसे छोड़ना ही सबसे बेहतर उपाय है ताकि भविष्य में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचा जा सके।

युवाओं को नहीं है इसके खतरे की जानकारी

एक सर्वेक्षण के मुताबिक जानकारी नहीं होने से 14 से 17 वर्ष की आयु के बच्चों के वेपिंग या नशीले पदार्थ वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लेने की काफी संभावना है। 37 प्रतिशत ने इसे ''मध्यम रूप से हानिकारकश्श माना, लेकिन नुकसान की प्रकृति के बारे में समझ का अभाव था। सर्वेक्षण में पाया गया कि केवल 11 प्रतिशत बच्चों ने वेपिंग और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को हानिकारक के रूप में सही ढंग से पहचाना। 'बच्चों के इतने बड़े प्रतिशत को वेपिंग के हानिकारक प्रभावों से अनजान देखना बहुत परेशान करने वाला है।

देखते ही देखते गंजे हुए इस गांव के लोग, यहां पंजाब– हरियाणा से सप्लाई हुई थी एक चीज

बालों का झड़ना निस्संदेह सबसे दुखद अनुभवों में से एक है, और क्या होगा अगर हम आपको बताएं कि आप जो आप खाना खा रहे हैं वह गंजापन का कारण बन रहा है? भला ही यह सुनने में अजीब लग रहा हो लेकिन पंजाब और हरियाणा में गेहूं के दूषित होने का एक दुर्लभ मामला बड़े पैमाने पर गंजेपन का कारण बन रहा है । हालांकि इन दोनों राज्यों के किसानों का कहना है कि उन्हें बदनाम किया जा रहा है चलिए समझाते हैं इसके बारे में विस्तार से।

दरअसल कुछ दिनों पहले महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में रहने वाले लोगों के अचानक से बाल झड़ने लगे थे। एक दो नहीं कम से कम 300 लोगों को इस तरह की समस्या का सामना करना पड़ा, जिसके बाद विशेषज्ञों और स्वास्थ्य अधिकारियों ने जांच शुरू की। एक रिसर्च से पता चला कि इसके पीछे का कारण उनके द्वारा खाए जा रहे गेहूं में मौजूद जहरीली चीज है, जिसके चलते उन्हें बाल झड़ने की बीमारी हो गई है।

सेलेनियम के कारण हुआ ये सब

पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. हिम्मतराव बावस्कर द्वारा बिच्छू के डंक के उपचार के लिए किए गए एक महीने के अध्ययन के अनुसार, महामारी पर एक महीने के शोध अध्ययन में दावा किया गया है कि गेहूं में सेलेनियम की अधिक मात्रा के सेवन से एलोपेसिया हो सकता है। सेलेनियम क्या है, गेहूँ में यह इतनी बड़ी मात्रा में कैसे आया और भविष्य में प्रदूषण को कैसे रोका जा सकता है? इस मामले पर एक अध्ययन किया गयाय यह आटा (गेहूं) था जिसे उन्होंने खाया था जिससे उनके बाल झड़ गए। उन्होंने पाया कि पंजाब और हरियाणा से लाए गए सरकारी राशन या पीडीएस स्टोर में बेचे जाने वाले गेहूं में सेलेनियम का स्तर खतरनाक रूप से अधिक था, एक ऐसा तत्व जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है, हालांकि बहुत कम मात्रा में। संक्षेप में, जबकि सेलेनियम हमारे शरीर को ऑक्सीकरण से बचाता है और थायरॉयड हार्मोन के कार्य को सहायता प्रदान करता है, अतिरिक्त सेलेनियम सेलेनोसिस नामक विकार उत्पन्न हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप बाल झड़ना, नाखून भंगुर होना, त्वचा संबंधी समस्याएं और अन्य चिकित्सीय स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं।

क्या हमारे शरीर के लिए जरूरी है सेलेनियम

सेलेनियम एक महत्वपूर्ण खनिज है जिसकी हमारे शरीर को न्यूनतम मात्रा में आवश्यकता होती है। सेलेनियम ग्लूटाथियोन पेरोक्सीडेज जैसे एंजाइम बनाने में मदद करता है जो हमारी कोशिकाओं को नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। लेकिन अगर हम बहुत ज्यादा सेलेनियम लेते हैं, तो हमारा शरीर इसे प्रोसेस नहीं कर पाता और सेलेनियम हमें नुकसान पहुंचाना शुरू कर देता है। इस तरह के विषाक्तता के सबसे आम लक्षणों में से एक है बालों का झड़ना क्योंकि अतिरिक्त सेलेनियम बालों के रोम के संचालन को बाधित करता है और वे कमजोर हो जाते हैं और बालों के झड़ने का कारण बनते हैं। अतिरिक्त सेलेनियम के अन्य आम लक्षण हैं भंगुर नाखून, त्वचा की समस्याएं, जठरांत्र संबंधी समस्याएं, कमजोरी और तंत्रिका संबंधी समस्याए।

चेहरे पर नारियल तेल लगाने के फायदे

हम सब बचपन में अपनी दादी–नानी से नारियल तेल के फायदों के बारे में सुनते आए हैं। हालांकि आजकल बाजार में बहुत से तेल मिलते हैं जो अपने फायदों का दावा करते हैं, फिर भी नारियल तेल सबसे अच्छा माना जाता है। ज्यादातर लोग सिर्फ बालों में नारियल तेल लगाना जानते हैं, लेकिन यह हमारी त्वचा के लिए भी बहुत फायदेमंद है। जैसे–जैसे सर्दी का मौसम आ रहा है, हमारी त्वचा रूखी होने लगेगी। ऐसे में नारियल तेल हमारी त्वचा को नमी और सॉफ्टनेस देने में मदद कर सकता है।आइए जानते हैं रात में चेहरे पर नारियल तेल लगाने के कुछ फायदे

चेहरे की नमी बनाए रखता है

नारियल तेल त्वचा को गहराई से मॉइस्चराइज करता है। यह त्वचा को ड्राई और रूखा होने से बचाता है, खासकर सर्दियों में। रात भर यह त्वचा में समा कर नमी बनाए रखता है, जिससे सुबह उठने पर त्वचा को मुलायम और हाइड्रेटेड महसूस होता है।

एंटी–एजिंग प्रभाव

नारियल तेल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और फैटी एसिड्स त्वचा को उम्र के असर से बचाते हैं। यह झुर्रियों और महीन रेखाओं को कम करने में मदद करता है। रात में इसे लगाने से त्वचा को रिपेयर होने का समय मिलता है और वह ज्यादा युवा दिखने लगती है।

त्वचा को सॉफ्ट और स्मूथ बनाता है

नारियल तेल का नियमित उपयोग त्वचा को नरम और चिकना बनाता है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के सभागार में गोष्ठी का आयोजन हुआ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अवगत कराया है कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी के सभागार में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह द्वारा बताया गया कि भारत में सरकार विभिन्न नीतियों, योजनाओं और विधायी उपायों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रही है। देश महिला विकास से महिला नेतृत्व वाले विकास की ओर बढ रहा है, जो राष्ट्रीय प्रगति में समान भागीदारी सुनिश्चित करता है। महिलाए भारत के सामाजिक –आर्थिक परिदृश्य को आकार देने, शिक्षा, स्वास्थ्य डिजिटल समावेशन और नेतृत्व की भूमिकाओं में बाधाओं का तोडने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग में चल रही योजनाओं जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, एनीमिया मुक्त भारत, योजनाओं के बारें में प्रकाश डाला। सरकार ने समाज के सभी वर्गों की महिलाओं के लिए मातृ एंव शिशु स्वास्थ्य, पोषण और चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए कई नीतिया शुरू की है। गोष्ठी में डा0 राजीव कुमार एंव डा0 बी0सी0 पन्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहें।

शांति व्यवस्था में बाधा डालने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी – डा. कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित शांति समिति की बैठक में समाज सेवियो व धर्म गुरुओं ने अपील किया है कि होली के दिन दोपहर 12 बजे तक होली मनाने की अपील की है। साथ ही एसपी डॉ. कौस्तूभ ने बताया कि एक ही दिन होली और जुमे की नमाज के दृष्टिगत एहतियातन सेक्टर, जॉन स्कीम लागू की गई है। पूरे जनपद को 29 सेक्टरों व 7 जॉन में बांटा गया है।पूर्व में भी किसी के द्वारा माहौल खराब करने की कोशिश की गई है उनका भी चिन्हाकंन किया जा रहा है।शांति व्यवस्था खराब करने वाले हुड़दंगियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। वही इस मामले में पुलिस अधीक्षक ने बताया कि होली और जुमे की नमाज एक ही दिन होने के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। एसपी डॉ. कौस्तूभ ने बताया कि जिले को 29 सेक्टरों और 7 जोन में बांटा गया है। शांति समिति की बैठक में समाज सेवियों और धर्म गुरुओं ने लोगों से दोपहर 12 बजे तक ही होली मनाने की अपील की है। एसपी ने कहा कि त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेक्टर और जोन स्कीम लागू की गई है। पुलिस प्रशासन ने पहले से ही उन लोगों की पहचान शुरू कर दी है, जिन्होंने पूर्व में माहौल बिगाड़ने की कोशिश की थी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि शांति व्यवस्था में बाधा डालने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

महिला दिवस पर महिलाओं को किया सम्मानित

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक सादे समारोह में विभिन्न विभागों में सेवारत महिला कर्मचारियों को माल्यार्पण व अंगवस्त्र ओढ़ाकर कर भारतीय मजदूर संघ अयोध्या द्वारा तथा सम्मानित किया गया। विभाग प्रमुख जयप्रकाश सिंह ने महिला कर्मचारियों की सेवाओं का उल्लेख करते हुए अंतराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि आठ मार्च को बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान के दस वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। जिला अध्यक्ष अम्बरीष सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस व बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओं अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी महिलाओं से अपील की कि वे अपने घर परिवार के अतिरिक्त अपने आस पास की सभी बालिकाओं को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर जिला मंत्री सुजीत कुमार,प्रचार प्रमुख पुष्कर दत्त तिवारी, सह मंत्री जे एन पांडेय,शुभम् सिंह,शारदा तिवारी, उपाध्यक् कुक्कू चौधरी,आदि रही।

महिला पत्रकार व उसके बच्चे पर हमले का आरोपी सेवानिवृत्त दरोगा बृजनन्दन सिंह के खिलाफ गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज,पत्रकारों ने गिरफ्तारी की मांग

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार। अयोध्या महिला पत्रकार मिताली रस्तोगी व उनके बेटे पर हमला करने वाला सेवानिवृत्त दबंग दरोगा बृजनन्दन सिंह के खिलाफ अयोध्या कोतवाली में गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज आरोपी सेवानिवृत्त दरोगा बृजनन्दन सिंह एफआईआर दर्ज होते ही गिरफ्तारी के डर से फरार हो गया है पुलिस गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है गिरफ्तारी न होने पर भारतीय पत्रकार सुरक्षा कवच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतरिक्ष तिवारी पत्रकारों ने उसकी गिरफ्तारी की मांग प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की है साथ ही महिला पत्रकार मिताली रस्तोगी को न्याय दिलाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को ज्ञापन दे कर सेवानिवृत्त दबंग आरोपी दरोगा बृजनन्दन सिंह के खिलाफ शक्ति कार्यवाही की मांग की गयी है।

नई शिक्षा नीति के तहत चार राज्यों में पढ़ाई जा रही हैं अर्थशास्त्र की पुस्तकें

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, में व्यावसायिक अर्थशास्त्र विषय के शोधार्थी राकेश कुमार उपाध्याय की मौखिक परीक्षा के दौरान अर्थशास्त्र के विशेषज्ञ प्रो. जय प्रकाश मिश्र ने नई शिक्षा नीति के तहत अर्थशास्त्र की पुस्तकों के प्रभाव पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। प्रो. मित्तल ने बताया कि उनके द्वारा लिखित सभी सेमेस्टर की पुस्तकें अब उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश के कई विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत इन पुस्तकों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है, जिससे छात्रों को अद्यतन और व्यवहारिक ज्ञान मिल सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कर्मचारी नेता डॉ. दिलगीर हसन ने बताया कि प्रो. जय प्रकाश मित्तल अब तक अर्थशास्त्र विषय पर 51 पुस्तकें लिख चुके हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में व्यावसायिक अर्थशास्त्र विषय की केवल एक पुस्तक मान्यता प्राप्त है, जो जेठे पीठ मित्रा जी पी एम ए पाठ्यक्रम में पढ़ाई जा रही है। अर्थशास्त्र के क्षेत्र में किए जा रहे इन शैक्षणिक प्रयासों से छात्रों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप आधुनिक ज्ञान प्राप्त होगा और वे प्रतिस्पर्धी माहौल में अधिक सक्षम बन सकेंगे।

चरक में 10 मार्च को लगेगा रोजगार मेला – जिला सेवायोजन अधिकारी प्रज्ञा त्रिपाठी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। चरक एवं सुरुचि ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस मौरा, दुबग्गा–माल रोड लखनऊ व क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय,लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में 10 मार्च 2025 को प्रातः 9:30 बजे से रोजगार मेले का आयोजन कर रहा है। इस आयोजन में विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनियां शामिल होंगी जो युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। इस रोजगार मेले में इंटरमीडिएट और ग्रेजुएट युवाओं को आमंत्रित किया गया है।

बर्खास्त हुए छह शिक्षकों में से पांच गिरफ्तार, एक फरार

लखनऊ, (संवाददाता)। बेसिक शिक्षा विभाग में कूट रचित दस्तावेजों के सहारे धोखाधड़ी से नौकरी पाने के मामले में बर्खास्त हुए छह शिक्षकों में से पांच को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जबकि एक आरोपी शिक्षक फरार होने में सफल रहा। विभागीय स्तर पर मंगलवार को हुई बर्खास्तगी के बाद बुधवार को बीईओ हरिहरपुररानी, जमुनहा व सिरसिया ने इस मामले में पुलिस में केस दर्ज कराया था। डीएम अजय कुमार द्विवेदी व एसपी घनश्याम चौरसिया के निर्देश पर बीएसए अजय कुमार ने मंगलवार को छह शिक्षकों की बर्खास्तगी का आदेश जारी किया था। इसके बाद बुधवार को बीईओ हरिहरपुररानी अमित कुमार, जमुनहा सतीश कुमार व सिरसिया राजकिशोर की तहरीर पर संबंधित थानों में आरोपी शिक्षकों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया। पुलिस ने बुधवार देर रात ही इनमें से पांच आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली। इनमें चार शिक्षक कानपुर देहात व एक बस्ती जिले के निवासी है। गिरफ्तार शिक्षकों में ईश्वरचंद नगर थाना भोगनीपुर निवासी आलोक कुमार गुप्ता उर्फ किशन गुप्ता सहायक शिक्षक के पद पर सिरसिया के प्राथमिक विद्यालय बल्दीडीह में, कानपुर नगर के ग्राम इस्माइलपुर निवासी प्रदीप कुमार पुत्र लालजी सिरसिया के प्राथमिक विद्यालय केशवपुर में व कानपुर देहात के ही तहसील भोगनीपुर के ग्राम भोगीसागर निवासी जितेंद्र सिंह पुत्र राम औतार व कानपुर देहात के ग्राम परेहरापुर निवासी सुशील कुमार पुत्र रामसजीवन 2017 से जमुनहा के प्राथमिक विद्यालय भवानीपुरवा में सहायक शिक्षक के पद पर तैनात थे। इनके साथ ही बस्ती जिले के रामपुर तप्पा कनैला थाना कलवारी निवासी उमेश कुमार मिश्र पुत्र प्रेम चंद्र की वर्तमान में उच्च प्राथमिक विद्यालय असनहरिया हरिहरपुररानी में सहायक शिक्षक के पद पर तैनाती थी। जबकि बस्ती जिले के ग्राम थान्हा तहसील हर्रैया निवासी संदेश श्रीवास्तव जो जमुनहा के प्राथमिक विद्यालय अहिरन देवरा में सहायक शिक्षक के पद पर तैनात थे, गिरफ्तारी की भनक लगते ही फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। सहायक शिक्षक के पद पर सिरसिया के प्राथमिक विद्यालय बल्दीडीह में तैनात आलोक कुमार गुप्ता उर्फ किशन गुप्ता को विद्यालय प्रबंध समिति के माध्यम से अतिरिक्त कक्षा कक्ष बनवाने की जिम्मेदारी भी सौंप रखी थी। अतिरिक्त कक्ष बनवाने के लिए धन का आहरण भी उन्होंने कर लिया था।

आईजी के निरीक्षण में कुछ रहा तो कुछ जगह मिली खामियां

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या।शुक्रवार को पूराकलंदर थाने मे आईजी रेंज प्रवीण कुमार ने अयोध्या के पूराकलंदर थाने का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करन नैय्यर,एसपी सिटी मधुबन सिंह सीओ अयोध्या आशतोष तिवारी समेत अन्य पुलिस के आला अफसर मौजूद रहे।सबसे पहले पूराकलंदर एसओ देवेंद्र सिंह ने पूराकलंदर थाने की टीम की तरफ से सलामी देते हुए गार्ड ऑफ ऑनर सम्मान किया वही सलामी के बाद आई जी प्रवीण ने मालखाने का निरीक्षण किया और अभिलेखों से शस्त्रों का मिलान कराया।जिसमे सब कुछ ठीक मिला वही कागजो की कुछ त्रुटियों को सही करने का निर्देश दिया।वही निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान जनता से भी सम्बाद किया और उनकी समस्या के बारे में पूछा जहां भरतकुंड के सभासद ने भरतकुंड मन्दिर के पास एक पुलिस सहायता बूथ की मांग की जो वहां पर आए श्र्द्धालुओ की मदद कर सके तो दूसरी तरफ एक समजासेवी धर्मेंद्र वर्मा ने पक्षी बिहार(समदा झील) के पास पुलिस बूथ का मुद्दा उठाया जिसमे आये दिन झील में साइबेरियन पक्षी एवम मछली का शिकार होता है जिसपर इसी नवरात्रि में दोनों चौकियों के गठन के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया।आईजी प्रवीण कुमार ने अभियोजन को लेकर पूराकलंदर थाने को निर्देशित किया जिसमें गम्भीर मामले जैसे लूट ,बलात्कार ,हत्या के मामले अभियोजक के माध्यम से यथाशीघ्र सजा दिलाने का निर्देश दिया।होली पर 2 दिन बैंकों के बंद को लेकर भदरसा के कस्बे के व्यापारियों को निर्देश दिया कि होली के दौरान बैंक बन्द रहंगे जब बैंक खुलेगा तो कैश जमा करने के लिये पुलिस की मदद ले सकता है।उसमें पुलिस कैश की मात्रा के बारे में नही पूछ सकता है।

वही आई जी प्रवीण कुमार ने महिला दरोगाओं के भी रजिस्टर चेक किये जिसमे छूटे हुए स्कूलों के प्रबंधक के नम्बर नोट करने का निर्देश दिया।वही होली पर हुड़दंगियों पर भी नजर रखने का निर्देश दिया।आईजी प्रवीण कुमार ने निरीक्षण के अंत मे पूराकलंदर थाने के सी सी टी एन एस रजिस्टर ,माला खाना रजिस्टर,आपराधिक रजिस्टर, सिकायत रजिस्टर, अपराध पंजीकृत रजिस्टर,बीट रजिस्टर ,अवकाश रजिस्टर आदि अभिलेखों का बारीकी से निरीक्षण किया और हुई त्रुटियों को सुधारने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान एस आई संतोष सिंह,दरोगा आलोक श्रीवास्तव, कमलेश साहनी, प्रिया मिश्रा, खुश्बू यादव,समेत कई लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

महिला सशक्तीकरण पर चर्चा

लखनऊ, (संवाददाता)। आईईटी में शुक्रवार को एफिनिटी ग्रुप के सहयोग से महिला दिवस पर महिला सशक्तीकरण पर ऑनलाइन चर्चा हुई। इसमें शिक्षा व उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने रूढ़िवादिता को तोड़ना, नीतिगत सिफारिशें और विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ पर चर्चा हुई। साथ ही नेतृत्व संबंधी अंतर को पाटने, लिंग आधारित भेदभाव से निपटने और सार्थक बदलाव लाने के तरीकों पर भी पैनलिस्टों ने चर्चा की। कार्यक्रम का उद्घाटन निदेशक प्रो. विनीत कंसल ने किया। प्रो. नीलम श्रीवास्तव, डॉ. विजयश्री खेतकर, डॉ. स्मिता शर्मा, डॉ. श्रीदेवी सिरा, डॉ. मीनाक्षी मेमोरिया, प्रो. मनुका खन्ना आदि चर्चा में शामिल हुए।

समय से काम पूरा न हुआ तो एफआईआर दर्ज कराकर भेज दूंगी जेल

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ–हरदोई मार्ग पर निर्माण की सुस्त रफ्तार देखकर मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने ठेकेदार को मई तक काम न पूरा होने पर एफआईआर कराकर जेल भेजने की चेतावनी दी। बृहस्पतिवार को निरीक्षण में लापरवाही मिलने पर उन्होंने अफसरों

की भी क्लास लगाई। परियोजना निदेशक सौरभ चौरसिया के खिलाफ आरोप पत्र जारी कर कार्रवाई के निर्देश भी दिए। डॉ. रोशन जैकब ने एनएचआई के अफसरों से कहा, निर्माण की गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए। लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। मंडलायुक्त ने मलिहाबाद चौराहा (लंबाई 300 मीटर) व रहीमाबाद चौराहा (लंबाई 400 मीटर) के निर्माण का निरीक्षण भी किया। यहां ठेकेदार को लोगों की संख्या व मशीनें बढ़ाने का निर्देश दिया। मई तक काम पूरा न होने पर फर्म को ब्लैक लिस्ट कर दिया जाएगा। उन्होंने संयुक्त मजिस्ट्रेट को नियमित रूप से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

जमीन के फेर में फंसे सात जिलों के क्रिटिकल केयर ब्लॉक, गंभीर मरीजों को मिलना है इलाज

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में अभी तक सात जिलों में क्रिटिकल केयर ब्लॉक के लिए जमीन नहीं मिल पाई है। वहीं, चार जिलों में इंट्रीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैबोरेटरी (आईपीएचएल) और 18 ब्लॉकों में पब्लिक हेल्थ यूनिट (बीपीएचयू) के लिए भी जमीन की तलाश है। ऐसे में इन जिलों में ये परियोजनाएं अटकी हैं। यह खुलासा विभागीय रिपोर्ट में हुआ है। अब सभी जिम्मेदार अधिकारियों को चेतावनी देते हुए उन्हें जल्द से जल्द जमीन तलाशने के निर्देश दिए गए हैं। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। केंद्र सरकार ने इस वर्ष 4892.53 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। मिशन के तहत यूपी के 22 जिला चिकित्सालय व 22 मेडिकल कॉलेज में 50 बेड के और 30 जिला चिकित्सालय में 100 बेड का क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक बन रहा है। इसमें अति गंभीर मरीजों को इलाज की सभी सुविधाएं मिलेंगी। सूबे के सात जिलों संतकबीरनगर, बुलंदशहर, बलिया, गाजीपुर, ललितपुर, लखीमपुरीखीरी और कानपुर देहात में अभी तक क्रिटिकल केयर ब्लॉक के लिए जमीन नहीं मिल पाई है। हालांकि अन्य स्थानों पर निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया है।

साबरमती के लिए चारबाग से आज रवाना होगी होली स्पेशल

लखनऊ, (संवाददाता)। होली पर नियमित ट्रेनों में वेटिंग से परेशान यात्रियों की सुविधा के लिए दो फेस्टिवल (त्योहार) स्पेशल ट्रेनें शुक्रवार से चलाई जाएंगी। ये ट्रेनें लखनऊ से साबरमती व अमृतसर से कटिहार वाया लखनऊ संचालित की जाएंगी। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि उत्तर रेलवे प्रशासन की ओर से 04280 लखनऊ साबरमती होली स्पेशल सात मार्च को चारबाग से दोपहर 12:10 बजे रवाना होकर कानपुर, टुंडला, आगरा, भरतपुर, जयपुर, अजमेर होते हुए अगली सुबह 11:45 बजे साबरमती पहुंच जाएगी। 04680 अमृतसर कटिहार त्योहार स्पेशल भी सात मार्च को चलेगी। ये ट्रेन अमृतसर से रात 8:10 बजे रवाना होकर जालंधर, लुधियाना, अंबाला, मुरादाबाद, बरेली होते हुए चारबाग स्टेशन सुबह 11:20 बजे तथा कटिहार अगली सुबह साढ़े दस बजे पहुंचेगी। – 04014 आनंदविहार जयनगर स्पेशल ट्रेन छह, 10, 13 व 17 मार्च को आनंदविहार से सुबह पांच बजे चलकर दोपहर दो बजे चारबाग तथा अगली दोपहर 12 बजे जयनगर पहुंचेगी। – 04013 जनयनगर आनंदविहार स्पेशल सात, 11, 14 व 18 मार्च को जयनगर से शाम पांच बजे चलकर सुबह 10:40 बजे चारबाग व शाम 7:55 बजे आनंदविहार टर्मिनल पहुंच जाएगी। 04016 आनंदविहार सीतामढ़ी फेस्टिवल स्पेशल सात, 11, 14 व 18 मार्च को आनंदविहार से रात 12:30 बजे चलकर चारबाग सुबह 9:25 बजे तथा सीतामढ़ी रात दो बजे पहुंचेगी। 04015 सीतामढ़ी आनंदविहार स्पेशल आठ, 12, 15 व 19 मार्च को सीतामढ़ी से सुबह पांच बजे चलकर रात साढ़े आठ बजे चारबाग तथा सुबह छह बजे आनंदविहार पहुंचेगी।

पहले लात मारकर बाइक सवार को गिराया, फिर की लूट

लखनऊ, (संवाददाता)। पारा इलाके में बाइक सवार बदमाश बाराबंकी के टिकैत नगर निवासी देवेंद्र प्रताप सिंह से बाइक व मोबाइल लूट ले गए। देवेंद्र ने बताया कि 23 फरवरी को बाइक से नहरिया होते हुए बुद्धेश्वर जा रहे थे। मोहान रोड पर पीछे से बाइक सवार दो बदमाशों ने उनकी बाइक में लात मार दी थी। वह अनियंत्रित होकर बाइक लेकर गिर पड़े। इसके बाद बदमाश उनकी बाइक व मोबाइल लूट ले गए। उन्होंने चार मार्च को ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज कराई। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि जांच कर रही है। इसके अलावा मड़ियांव के केशव नगर स्थित गोदावरी एन्क्लेव निवासी रुचि बेटी शिवांजलि के साथ 17 फरवरी को निशातगंज से बादशाह नगर की तरफ जा रही थीं। रास्ते में बाइक सवार लुटेरों ने शिवांजलि का मोबाइल लूट लिया। रुचि ने बुधवार को महानगर थाने में केस दर्ज कराया। इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार मिश्र ने बताया कि फुटेज की मदद से दुबग्गा के आशीष कुमार द्विवेदी को गिरफ्तार कर लिया गया। लूटा गया मोबाइल व घटना में इस्तेमाल बाइक बरामद की गई है। आरोपी के साथी की तलाश की जा रही है।

107 लोग पुरस्कृत, पशुधन मंत्री बोले-सीएम ने इतना बजट दिया

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को उप्र प्रादेशिक कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (पीसीडीएफ) की ओर से वर्ष 2023–24 के गोकुल व नंदबाबा पुरस्कारों का वितरण किया गया। कार्यक्रम दोपहर 12.30 बजे से इंदिरा

गांधी प्रतिष्ठान में शुरू हुआ। इसमें पशुधन व दुग्ध विकास विभाग मंत्री धर्मपाल सिंह ने गोकुल पुरस्कार से 63 और नंदबाबा पुरस्कार से 44 लाभार्थियों को पुरस्कृत किया। पीसीडीएफ के डॉ. मनोज तिवारी ने बताया कि गोकुल पुरस्कार में पहला पुरस्कार दो लाख, दूसरे को 1.50 लाख व अन्य 61 को 51–51 हजार रुपये, प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिह्न दिया गया। नंदबाबा में पहला पुरस्कार 51 हजार और अन्य 43 लाभार्थियों को 21–21 हजार रुपये, प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिह्न दिए गए। इस मौके पर मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि आवारा घूम रहे पशु छुट्टा नहीं लोगों द्वारा छोड़े हुए हैं। 15 मार्च से निराश्रित गोवंश के गले में रेडियम बेल्ट सड़क किनारे बसे गांव में लगाएंगे। इससे सड़क हादसे कम होंगे, गोवंश संरक्षण होगा। इस बार सीएम ने गोवंश संरक्षण के लिए 2000 करोड़ का बजट दिया है। मंत्री ने कहा कि 7713 गोआश्रय स्थलों में गायों का संरक्षण होगा। अब जो नए गोआश्रय स्थल बनेंगे, वह बाउंड्रीवाल के साथ बनाए जाएंगे। इसके लिए बजट प्रावधान किया गया है। गाय दूध कम देने के बाद छूटे नहीं। देशी गाय में नस्ल सुधार कर रहे हैं। कृत्रिम गर्भाधान कराए। साहीवाल गाय पालें। इसका दूध बेहतर है। ट्रेनिंग के लिए भी बजट में पैसा दिया गया है। उन्होंने कहा कि पशुपालकों, किसानों को पालन, संरक्षण, कृत्रिम गर्भाधान के लिए प्रशिक्षित करेंगे। दुग्ध संघों का सुदृढ़ीकरण कर रहे हैं। दुग्ध समितियों का गठन कर रहे हैं। छोटे किसान का इसको लाभ मिलेगा। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने पर सरकार काम कर रहे हैं। अब यह विभाग बड़ा विभाग हो गया है। कहा कि देशी गाय के दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हुई है। देशी गाय का दूध अमृत है। इसलिए, देशी नस्ल की गया को संरक्षित और सुरक्षित रखें। उसके दूध में पूरा आहार, पौष्टिकता है। कई संत सिर्फ गाय का दूध पीकर ही रहते हैं। देशी गाय पालने, उसके दूध पर ध्यान देंगे तो बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि खेती और पशु एक दूसरे के पूरक हैं। चारे का रकबा बहुत कम, अन्य प्रदेश की अपेक्षा। हरियाणा, मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड में ज्यादा है। अपने लिए अन्य के साथ पशु चारे का भी प्रबंध करें। गाय पर आधारित खेती करें। कीटनाशक का कम प्रयोग करें। यूपी में ज्यादा केमिकल युक्त दूध बिक रहा है। दूध के लिए पशु पालन जरूरी है।

युवक ने बीच चौराहे पत्नी–बेटियों संग आत्मदाह का किया प्रयास

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को युवक ने पत्नी और दो बेटियों संग बीच चौराहे पर आत्मदाह करने की कोशिश की। चौराहे पर मौजूद पुलिस ने भागकर उन्हें बचाया। इसके बाद सभी को गौतमपल्ली थाने ले जाया गया। पूछताछ की जा रही है। मामला वीवीआईपी गेस्ट हाउस के पास लामार्ट चौराहे का है। यहां प्रतापगढ़ के फतनपुर निवासी राजन मिश्रा अपनी पत्नी और दो बेटियों संग पहुंचे थे। उन्होंने चौराहे पर खुद और पत्नी–बेटियों पर तेल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। मौजूद पुलिसकर्मियों ने देखा तो भागकर पहुंचे। उन्हें यह आत्मघाती कदम उठाने से रोका। पीड़ित परिवार ने बताया कि गांव में उनकी पुश्तैनी जमीन पर दबंगों ने कब्जा कर लिया। जिले में उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इस कारण वह ऐसा कदम उठाने पर मजबूर हुए। एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल ने बताया कि प्रतापगढ़ पुलिस को मामले की जानकारी दे दी गई है। महिला और उसके परिवार को वहां की पुलिस के हवाले किया जाएगा।

नाविक समाज की भरी झोली, अब नया व्यवसाय शुरू करने की होड़

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के प्रयागराज में लगे महाकुंभ में आस्था के साथ आर्थिक उन्नति का संगम भी दिखाई दिया। समृद्धि के संगम में वंचित समाज ने पूंजी अर्जन की खूब डुबकी लगाई। इनमें नाविक समाज ने सबसे ज्यादा लाभ कमाया। संगम के तट पर 45 दिन चले महाकुंभ के दौरान डेढ़ करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने नौकाविहार का आनंद लिया। योगी सरकार के निर्देश पर महाकुंभ से पहले नाविकों को विशेष प्रशिक्षण देकर आय बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह ने बताया कि पर्यटन विभाग ने मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान के सहयोग से नाविकों के सशक्तिकरण की योजना बनाई। इसके तहत 1000 से ज्यादा नाविकों को कौशल, आपदा प्रबंधन और डिजिटल पेमेंट का प्रशिक्षण दिया गया। नतीजतन उनकी आय कई गुना बढ़ गई। नाविक संघ के अध्यक्ष पप्पू लाल निषाद ने बताया कि 13,000 से ज्यादा नाविकों की झोली महाकुंभ ने भर दी। हर नाविक ने पूरे आयोजन के दौरान 8 से 9 लाख रुपये की कमाई की। अब इस आमदनी से कई नाविक नए व्यवसाय शुरू करने की योजना बना रहे हैं। महाकुंभ के दौरान यमुना तट और त्रिवेणी की धारा नाविक समाज के लिए संजीवनी बन गई। किला घाट पर नाव चलाने वाले संजीत कुमार निषाद बताते हैं कि घर में दो बड़ी बेटियां हैं, जिनकी शादी के लिए लंबे समय से कोशिश कर रहे थे। लेकिन, आर्थिक हालात आड़े आ जा रहे थे। इस बार महाकुंभ में इतनी आमदनी हो गई है कि अब बिटिया के हाथ पीले हो जाएंगे। तीन दशक से बलवंत निषाद की जिंदगी बलुआ घाट और किला घाट के बीच चप्पू चलाते निकल गई, लेकिन सिर पर पक्की छत नहीं बन सकी। इस बार महाकुंभ में त्रिवेणी का ऐसा आशीर्वाद मिला है कि अब पक्का घर बन जाएगा। यही नहीं वह नई नाव लेने की भी योजना बना रहे हैं। वहीं, कुछ नाविक नया काम शुरू करने की योजना भी बना रहे हैं।

कंपोजिट विद्यालय ढाबा सिमर में हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव का कार्यक्रम संपन्न

अयोध्या। शुक्रवार को हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव का आयोजन कंपोजिट विद्यालय ढाबा सेमर मे संपन्न हुआ।इस अवसर पर अतिथियों के रूप में महापौर गिरीशपति त्रिपाठी,नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, विधायक बीकापुर अमित सिंह चौहान मुख्य रुप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों ने संयुक्त रुप से मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया।कंपोजिट विद्यालय ढाबासेमर की छात्रों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।इस मौके पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ और बैज लगाकर किया गया।राज्य संदर्भ समूह के सदस्य डॉ अंबिकेश त्रिपाठी द्वारा हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम के उद्देश्य निपुण भारत एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिपेक्ष में प्री प्राइमरी शिक्षा पर विस्तार से चर्चा की गई।उसके पश्चात मिर्जापुर माफी की आंगनबाड़ियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।जिसकी सभी गणमान्य अतिथियों ने सराहना की।एसआरजी मनीष रस्तोगी द्वारा 5 वर्षों के प्री प्राइमरी के लिए किए गए प्रयास माता उन्मुख कार्यक्रम स्टेशनरी एवं लर्निंग कॉर्नर पर विधिवत चर्चा की।

इसके पश्चात विधायक बीकापुर डॉ अमित सिंह चौहान द्वारा 12 विकास खण्डों के 24 निपुण छात्रों को निपुण प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।महापौर गिरीशपति त्रिपाठी द्वारा नगर क्षेत्र में आंगनबाड़ी केंद्रों को और अधिक समृद्ध करने हेतु आश्वस्त किया गया। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा के 93 विद्यालयों के 162 बच्चों के साथ–साथ उस विद्यालय के प्रधानाध्यापक को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस सत्र में जनपद अयोध्या के लिए सभी आवंटित 208 सीटों में से 204 सीटों पर चयनित होकर सत्य प्रतिशत सफलता अर्जित की।केवल चार सीट अनुसूचित जनजाति के छात्र न होने के कारण रिक्त रह गई।नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता द्वारा सभी विकासखंड की 12 आंगनबाड़ी कार्यकर्ती 12 शिक्षक संकुल 12 नोडल शिक्षक को प्रमाण पत्र साल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता द्वारा सभी 24 निपुण बच्चों को रू 500 की धनराशि और शैक्षणिक सामग्री की किट प्रदान की गई।एसआरजी अमित कुमार मिश्रा द्वारा बच्चों और अभिभावकों के द्वारा रचनात्मक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक सदर द्वारा सभी 12 विकासखंड के शिक्षकों द्वारा लगाई गई टीएलएम प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए शिक्षकों के कार्यों की सराहना की गई।

कार्यक्रम के अंत में बीएसए संतोष कुमार राय द्वारा सभी गणमान्य अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।इस मौके पर जिला समन्वयक प्रशिक्षण आदर्श सिंह ,खंड शिक्षा अधिकारी बीकापुर अमित कुमार श्रीवास्तव खंड शिक्षा अधिकारी अमानीगंज राजेश कुमार खंड शिक्षा अधिकारी यशवंत कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी सोहावल रविता राव, खंड शिक्षा अधिकारी मसौधा शैलेंद्र कुमार,नोडल ए आरपी कृष्ण कुमार त्रिपाठी सहित सभी एआरपी मसौधा उपस्थित रहे ।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लखनऊ पुलिस मित्र परिवार द्वारा किया गया रक्तदान शिविर का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस मित्र परिवार द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज दिनांक 08.03.2025 को लोकबन्धु राज नारायण संयुक्त चिकित्सालय कानपुर रोड लखनऊ में संरक्षक श्री कवीन्द्र प्रताप सिंह रिटा0 आईपीएस एवं संथापक/मोटिवेटर जितेन्द्र सिंह के मार्ग दर्शन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उक्त रक्तदान शिविर में करीब 100 से अधिक रक्तदाताओंध्नारी शक्तियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें 31 यूनिट रक्तदान हुआ नारी शक्ति का योगदान बहुत बढ़ चढ़ कर रहा! रक्तदान के विशिष्ट अतिथि श्री कल्याण सिंह कैंसर इस्टिट्यूट के कंसल्टेंट डॉ0 पी. पी रावत, लोकबन्धु चिकित्सालय के डायरेक्टर मुख्य चिकित्सा अधिकारी , ब्लड बैंक इंचार्ज पूरे स्टाफ् के उपस्थित रहें।

मुख्य आकर्षण का केन्द्र लखनऊ पुलिस मित्र परिवार के वरिष्ठ रक्तदाता आर0एन0 बोस रहे,जो कि 64 वर्ष की आयु में रक्तदान किये, और आज उनका 112 वां रक्तदान हुआ और ये 127 बार एसडीपी डोनेट कर चुके है। जो समाज के लिए प्रेरणास्तोत्र है। इस अवसर पर लखनऊ पुलिस मित्र परिवार के को फाउंडर कुलदीप किशोर तिवारी,वरिष्ठ कोऑर्डिनेटर सुश्री ज्योति खरे (सिविल डिफेन्स लखनऊ),वरिष्ठ कोऑर्डिनेटर आशीष सिंह, कोऑर्डिनेटर प्रशान्त शुक्ला, सिविल डिफेन्स के सहायक उपनियंत्रक मनोज कुमार वर्मा, प्रशांत तिवारी न्च्क्त्थ, प्रशांत बाजपेयी ,अजहर जमाल सिद्दिकी, अडवोकेट मनीष शुक्ला,अनीता शुक्ला, पवन सिंह अवनीश पाण्डे, प्रमोद शुक्ला, संध्या यादव का अत्यधिक सहयोग रहा कैंप की शुरुआत महिला रक्त वीरांगनाओ ने की श्रीमती सुधा टंडन सिविल डिफेन्स लखनऊ, श्रीमती शैल वर्मा पत्नी मनोज कुमार वर्मा और श्रीमती नूतन वर्मा यूपी चवसपबम के द्वारा किया गया तथा कैंप का समापन पुलिस मित्र परिवार की श्री मती सरिता सिंह पत्नी जितेंद्र सिंह एवं पुलिस मित्र परिवार के संस्थापक जितेंद्र सिंह द्वारा एक साथ रक्तदान कर किया गया।

कैंप मे मुख्य रूप से ऋषि सिंह एवं उनकी पत्नी तिरुशि सिंह, नेहा सिंह पति पत्नी सहित, ।ू के देवेंद्र सिंह,बी के सिन्हा, पारुल सिंह, अनुराग पाण्डे, सर्वेश सिंह, नेहा सिंह,निवेदिता बोस, भोला पाण्डे, विश्व कुमार पाल प्रशांत सिंह विनोद सिंह सहित बहुत सारे रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

भाजपा सरकार ने महिलाओं को दिया सबसे ज्यादा सम्मान दिया एव महिला उत्थान के लिए कर रहे काम – दया शंकर मिश्र

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आज महिला दिवस के शुभ अवसर पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता मे कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह मे आयोजित हुई। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप आयुष, खाद्य सुरक्षा एव औषधि प्रशासन मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा रागिनी सिंह ने की। उक्त अवसर पर महिलाओं का सम्मान करते हुये उपस्थित महिलाओ को सम्बोधित करते हुये दयाशंकर मिश्र ने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछली सरकारों की तुलना में महिलाओं को अधिक सम्मान दिया है। भाजपा की सरकार महिलाओं की सुरक्षा व सशक्तीकरण के लिए समर्पित है महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं जिसका लाभ उन्हें मिल रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान व उत्थान के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना हो या गरीब परिवारों की बेटियों के लिए शिक्षा व्यवस्था सरकार ने शौचालय की सुविधा प्रदान की है। यह सब केंद्र व प्रदेश सरकार की देन है। आज महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। हर सेक्टर में पुरुषों से कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश का चौतरफा विकास हुआ है। नारी का सम्मान ही समाज की वास्तविक प्रगति है, हर सफल महिला के पीछे उसकी मेहनत, संघर्ष और आत्मविश्वास होता है, सशक्त महिला ही सशक्त समाज का निर्माण करती है, महिलाएं किसी से कम नहीं, वे अपने बलबूते इतिहास रचने की क्षमता रखती हैं। विधायक बदलापुर रमेश मिश्र ने कहा कि ने कहा कि हर क्षेत्र में महिलाएं देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं के त्याग, प्रेम और धैर्य को उनकी पहचान बताया। भाजपा सरकार की महिला सशक्तिकरण योजनाओं का जिक्र किया। बजट में महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। जिलाध्यक्ष रामविलास पाल ने कहा कि पूरे देश और दुनिया में आज महिला दिवस को सेलिब्रेट किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विश्व की महिलाओं के योगदान, उनकी त्याग और साहस को समर्पित है महिलाएं आज के समय पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। कला से लेकर खेल, बिजनेस और साइंस से लेकर टेक्नोलॉजी तक हर क्षेत्र में महिलाएं कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं। अध्यक्षीय भाषण देते हुये जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि महिलाओं की ताकत और सम्मान के प्रतीक के रूप में हर साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को 8 मार्च को पूरी दुनिया में मनाते है। यह दिन महिलाओं के अधिकारों, लैंगिक समानता और उनके सशक्तिकरण के प्रति जागरुकता फैलाने वाले दिन का प्रतीक है। आधुनिक समाज में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, फिर भी वे कई चुनौतियों और भेदभाव का सामना कर रही हैं। ऐसे में समाज में उनकी इसी योगदान और साहस को रेखांकित करने के लिए हर साल आज के दिन महिला दिवस के रूप मे मनाया जाता है। कार्यक्रम का समापन करते हुई नगरपालिका अध्यक्ष जौनपुर मनोरमा मौर्य ने कहा कि नारी सशक्तिकरण का मतलब महिलाओं को उनके अधिकार, अवसर और समानता देना ताकि वे स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकें और समाज में अपनी पूर्ण क्षमता से भागीदारी दिखा सकें महिलाओं का सशक्तिकरण शिक्षा, स्वास्थ्य, राजनीति, आर्थिक अवसरों और सामाजिक स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ है। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनके कानूनी अधिकारों की रक्षा करना आवश्यक है, शिक्षित महिला ही अपने अधिकारों को पहचान सकती है और समाज में अपनी जगह बना सकती है, आत्मनिर्भर महिला अपने परिवार और समाज में सम्मान प्राप्त करती है। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी लोकतंत्र को अधिक सशक्त बनाती है। उक्त अवसर पर जिला महामंत्री सुशील मिश्र अंजना श्रीवास्तव अंजू पाठक अंजना सिंह सारिका सोनी विमला श्रीवास्तव अंजू कुशवाहा नीरज मौर्य सुशांत चौबे आदि उपस्थित रहे।

जहां दुनिया में महिलाएं उपभोग की वस्तु हो सकती हैं, वहीं भारत में मातृशक्ति की पूजा होती है – दया शंकर मिश्र

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन मंत्री दयाशंकर मिश्र ने जौनपुर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम में महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत मातृशक्ति का देश है। मंत्री ने कहा कि कुछ लोग महिलाओं को अबला कहते हैं, लेकिन वे कभी अबला नहीं रहीं। भारत में मां के रूप में देश, गाय, आंगन की तुलसी और नदियों की पूजा की जाती है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कोई अन्य देश नहीं है जो मातृशक्ति का इतना सम्मान करता हो। दयाशंकर मिश्र ने यह भी कहा कि जहां दुनिया में महिलाएं उपभोग की वस्तु हो सकती हैं, वहीं भारत में मातृशक्ति की पूजा होती है। यह परंपरा पहले भी थी, आज भी है और भविष्य में भी रहेगी। राजनीति समेत हर क्षेत्र में भारतीय महिलाओं को सम्मान दिया जाता है। संभल के सीओ अनुज चौधरी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा कि सभी को अपने त्योहार मनाने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि जैसे हम उनके त्योहारों में साथ देते हैं, वैसे ही उन्हें भी हमारे त्योहारों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। होली के त्योहार पर पूरा संसार रंगों में रंग जाता है और विदेशी भी इसका आनंद लेते हैं। उन्होंने कहा कि त्योहारों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

स्टडी हॉल प्रेप स्कूल में महिला दिवस पर `नो फायर फ्लेवर फेस्ट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। स्टडी हॉल प्रेप स्कूल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को खास अंदाज में मनाया। इस मौके पर 'कुकिंग लीग' का आयोजन किया गया, जिसमें पिता–बच्चे की जोड़ी ने मिलकर अपनी रसोई की कला का प्रदर्शन किया। यह एक नो–फायर कुकिंग प्रतियोगिता थी, जहां सुपर डैड्स और उनके बच्चों ने बिना आग के स्वादिष्ट और आकर्षक व्यंजन बनाए। प्रतियोगिता के निर्णायक बनीं सुपर वुमन, जिससे इस आयोजन को और भी खास बना दिया। पूरे आयोजन में जोश और उत्साह देखने को मिला, जब पिता–बच्चे की जोड़ियों ने मिलकर स्वाद और रचनात्मकता से भरे व्यंजन तैयार किए। यह प्रतियोगिता मजेदार तो थी ही, साथ ही इसने माता–पिता और स्कूल के बीच साझेदारी की अहमियत को भी दर्शाया।

महिलाएं सशक्त होंगी, तभी होगा समाज का विकास – प्रो मानस पांडेय

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग में ष्वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महिला सशक्तिकरण की दशा एवं दिशाष विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. मानस पांडेय ने कहा कि समाज का सशक्तिकरण तब तक संभव नहीं जब तक महिलाएं सशक्त न हों। उन्होंने कहा कि सरकार महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक योजनाओं के माध्यम से ऋण उपलब्ध करा रही है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने देश की कई महिलाओं का नाम लेते हुए बताया कि अपने काबिलियत से आज भी उच्च पदों पर आसीन हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना समाज और देश का विकास संभव नहीं होगा।

विशिष्ट वक्ता डॉ. आशुतोष सिंह ने कहा कि 2001 को महिला सशक्तिकरण वर्ष घोषित किया गया था और इससे संबंधित राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई थी। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह और गैर–सरकारी संगठन महिलाओं के अधिकारों को मजबूत करने में सहायक रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इससे महिलाओं को निर्णय लेने की स्वतंत्रता और आत्मसम्मान प्राप्त होता है। कार्यक्रम में डॉ. निशा पांडे ने स्वागत उद्बोधन दिया और महिलाओं के आत्म–सम्मान की रक्षा हेतु शपथ दिलाई। संचालन दीपांजलि ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राकेश उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर डॉ. अंजनी कुमार मिश्र, डॉ. सुशील कुमार सिंह, प्रिंस सिंह, हर्ष एवं डॉ. नितिन चौहान उपस्थित रहे।

पाली में समाधान दिवस में उपनिरीक्षक ने सुनी जन शिकायतें

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' शनिवार को पाली थाना परिसर में समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता उपनिरीक्षक जय नारायण मिश्रा ने की। उन्होंने समाधान दिवस में आये हुए सभी फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और उन्हें ससमय निस्तारण का आश्वासन दिया। थाना समाधान दिवस में कुल 14 शिकायतें मिली। सभी शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित थीं जिनमें से मात्र 04 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों का निस्तारण करने के लिए संबंधित विभागीय कर्मचारियों को शिकायती पत्रों को सौंप दिया गया। उपनिरीक्षक जय नारायण मिश्रा ने कहा कि समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों को गंभीरता से लेते हुये सभी शिकायतों को समय के अंदर ही गुण–दोष के आधार पर मौके पर जाकर जाँच करके निस्तारित किया जाये। राजस्व से जुड़े मामलों में पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीम के साथ मौके पर जाकर जाँच कर निस्तारित किये जाएं साथ ही उन्होंने कहा कि पीड़ित व्यक्ति को पारदर्शी न्याय दिलाना हम सब का कर्तव्य है। उन्होंने अपने अधीनस्थ पुलिस कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि जहाँ कहीं भी शान्ति भंग की आशंका हो,वहां दोनों पक्ष के लोगों पर निरोधात्मक कार्यवाही भी की जाये। इस मौके पर महिला उपनिरीक्षक आकांक्षा सिंह,महिला कांस्टेबल कीर्ति चौहान ,कानूनगो, लेखपाल सहित फरियादी मौजूद रहे।

लखनऊ पब्लिक कालेज, ए-ब्लॉक में किड्स टैलेंट शो एवं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक कॉलेज, ए–ब्लॉक, राजाजीपुरम में किड्स टैलेंट शो और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्लेग्रुप से कक्षा 1 तक के नन्हे छात्रों ने अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेज की मुख्य प्रशासिका एवं पूर्व विधान परिषद सदस्य कांति सिंह रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि निकिता सिंह पटेल, कम्युनिकेशन डिजाइनर, और विशेष अतिथि अनूप सिंह पटेल, अध्यक्ष, जनता दल यूनाइटेड (उत्तर प्रदेश), समाजसेवी एवं व्यवसायी, रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्या भारती गोसाईं ने सभी विशिष्ट अतिथियों को शिक्षा और समाज सेवा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया। प्लेग्रुप के बच्चों द्वारा स्वागत गीत, कक्षा 1 के विद्यार्थियों द्वारा मेरा देश भारत विषय पर प्रस्तुति, एलकेजी के बच्चों द्वारा सुरक्षा नियम, यूकेजी के छात्रों द्वारा पक्षी, तथा हमारा कक्षा परिवार है और साहस पर नन्हे कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। महिला दिवस के अवसर पर विद्यालय में उन माताओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया जिनके बच्चों की उपस्थिति पूर्ण रही। कांति सिंह ने उन्हें पौधे भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही, प्रधानाचार्या, हेड मिस्ट्रेस, उप– प्रधानाचार्या और इंचार्जेज को भी सम्मानित किया गया। उन्होंने छोटे बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की और अपने प्रेरणादायक शब्दों से उनका उत्साहवर्धन किया। निकिता सिंह पटेल ने भी छात्रों की प्रशंसा की और उन्हें भविष्य में और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या भारती गोसाईं ने विद्यालय के संस्थापक चेयरमैन एवं सांसद डॉ. एस.पी. सिंह और प्रबंधन समिति का निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम बेहद सफल रहा और अभिभावकों, शिक्षकों एवं छात्रों ने नन्हे कलाकारों के प्रयासों की खूब सराहना की। यह आयोजन बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने, आत्मविश्वास बढ़ाने और जीवन कौशल विकसित करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करने में सफल रहा।

भाजपा द्वारा महिलाओं के लिए कई योजनाओं की शुरुआत की गई हैं – शंकर लाल लोधी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में महिला दिवस धूम धाम से मनाया गया। इस मौके पर जे के पब्लिक स्कूल में महिला सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों से जिले का नाम रौशन करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी शंकर लाल लोधी ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि भाजपा ने हमेशा महिलाओं को अपनी प्राथमिकता में रखा है। उन्होंने बताया कि भाजपा द्वारा महिलाओं के लिए कई योजनाओं की शुरुआत की गई है, जिनका प्रभाव आज साफ दिख रहा है। राजनीति, खेल, विज्ञान, उद्योग, कला और अन्य क्षेत्रों में महिलाएं महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने मोदी सरकार द्वारा महिलाओं के हित में किए गए संविधान संशोधन, तीन तलाक पर प्रतिबंध और मातृशक्ति वंदन जैसे कानूनों की सराहना की। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने हरदोई की महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि जनपद की मातृशक्तियों ने हमेशा पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया है। उन्होंने बताया कि हरदोई की जिला पंचायत अध्यक्ष एक महिला हैं, जिन्होंने अपनी कार्यशैली से महिलाओं में आत्मविश्वास और प्रेरणा की ऊर्जा प्रवाहित की। महिला मोर्चा की अध्यक्ष भी एक सशक्त उदाहरण हैं, जिन्होंने महिलाओं को नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को सम्मानित किया गया। चिकित्सा क्षेत्र में डॉ. अंजू गुप्ता, डॉ. ज्योति राठौर, डॉ. अंजलि गुप्ता, डॉ. मधुलिका शुक्ला, आईपीएस इशिता गुप्ता को सम्मानित किया गया। शिक्षा क्षेत्र से मधु अस्थाना, सुमन वर्मा, इंदू शुक्ला सहित कई अन्य महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। सामाजिक कार्यों में योगदान देने वाली महिलाओं में कीर्ति सिंह, सुहाना जैन, दीपा विश्वास, रेशमा गुप्ता, मंजू वर्मा, सुधा वाचस्पति, ऋचा गुप्ता, चित्रा बाजपेई, डॉ विभा सिंह, विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत निधि सिंह, अमिता मिश्रा, विजयलक्ष्मी सिंह, विनीता पांडे, कुमुदिनी तिवारी, शिप्रा सोनकर, मनी अस्मिता, पूनम तिवारी, महिमा श्रीवास्तव, मंजू सिंह को स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र भेंट किए गए। कार्यक्रम के संयोजक और संचालक जिला महामंत्री सत्येंद्र राजपूत रहे। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष अलका गुप्ता, और कार्यक्रम सह संयोजिका अनुराधा मिश्रा ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रमुख रूप से महिला मोर्चा क्षेत्रीय कार्य समिति सदस्य लक्ष्मी राजपूत, जिला मंत्री जय देवी राजपूत, नीतू चंद्रा, जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह, प्रीतेश दीक्षित, संजय सिंह गुड्डू, जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा, ओम वर्मा, जिला मंत्री अविनाश पांडे, जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक, प्रचार मंत्री संदीप अवस्थी, मीडिया प्रभारी परेश लोहिया, सत्यम शुक्ला, नगर अध्यक्ष मुदित बाजपेई, अविनाश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

समाजसेवी डा. अमरनाथ पाण्डेय को सुहेलदेव विवि के कुलपति ने किया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद के वरिष्ठ समाजसेवी डा. अमरनाथ पाण्डेय (पर्यावरण समर्थक गौ सेवा) को महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय आजमगढ़ के कुलपति प्रो. संजीव कुमार ने सम्मानित किया जिसकी जानकारी होने पर परिजनों, परिचितों सहित जनपदवासियों में खुशी की लहर दौड़ गयी। लोगों ने डा. पाण्डेय को बधाई देते हुये आजमगढ़ विश्वविद्यालय परिवार के प्रति आभार जताया। बता दें कि डा. पाण्डेय को उपरोक्त विश्वविद्यालय में अन्तरराष्ट्रीय महिला कॉन्फ्रेंस पर आयोजित तीन दिवसीय सेमिनार में यह सम्मान मिला जहां डा. एसएन सिंह एवं प्रमोद शुक्ला को भी सम्मानित किया गया। उपरोक्त सम्मानितों को यह सम्मान महिलाओं के चिकित्सा क्षेत्र के लिये उत्कृष्ट कार्य के लिये दिया गया। बता दें कि महाराजा सुहेल देव विश्वविद्यालय ने तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय महिला नेतृत्व, उद्यमिता और अग्रणी सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। ष्वैश्विक क्षेत्र से प्रभावशाली आवाजेंष थीम पर आधारित इस सम्मेलन में महिलाओं की वैश्विक नेतृत्व, नवाचार और सामाजिक परिवर्तन में भूमिका को रेखांकित किया गया। इसमें विद्वानों, नीति निर्माताओं और समाजसेवियों ने लैंगिक समानता, उद्यमिता और समावेशी विकास पर गहन चर्चा किया। सम्मानित किये गये लोगों में राकेश पाण्डेय (समाजसेवी गौ सेवा), वीरू राजभर (सामुदायिक नेता), सारिका श्रीवास्तव (शैक्षणिक नवप्रवर्तक), एस.एन. सिंह (मैक्स) (शैक्षणिक दूरदर्शी), प्रमोद शुक्ला (नीति रणनीतिकार), स्वर्ण सुमन (स्वास्थ्य सेवा अग्रणी) एवं डॉ. अमरनाथ पाण्डेय (पर्यावरण समर्थक गौ सेवा) हैं। आयोजन समिति ने कार्यक्रम की सफलता में योगदान के लिए गणित विभाग के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। विशेष रूप से डॉ. वोट चूड़ा, डीएम दुबे, डॉ. धीरज यादव और डॉ. आरिफ मिडीसी को उनके अमूल्य समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। वहीं कुलपति प्रो. आर. के. मिश्रा ने कहा कि ष्यह सम्मेलन वैश्विक मंच पर महिलाओं की आवाज को मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराता है। पथप्रदर्शकों का सम्मान और अंतर्विषयक सहयोग से हम एक समान भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।